राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 10 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-21 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जम्मू-कश्मीर में थम गई बर्फबारी और बारिश, तापमान में वृद्धि

-उत्तराखंड में बना हुआ है लैंडस्लाइड का खतरा

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुई बर्फबारी और बारिश का दौर अब थम चुका है। प्रशासन ने प्रमुख सड़कों से बर्फ हटाकर यातायात को सुचारू करने का प्रयास किया है। इसके साथ ही, राज्य में तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं दूसरी तरफ हिमाचल में बर्फबारी की संभावना व्यक्त की गई है, जबकि उत्तराखंड में लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है।

मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 10 मार्च से फिर मौसम करवट ले सकता है और एक हफ्ते तक पहाड़ों पर बर्फबारी की संभावना है। उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और एवलांच का खतरा बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर में जारी बर्फबारी और बारिश का दौर जरुर थम गया है, जिससे तापमान बढ़ रहा है।

मध्य प्रदेश में तापमान 36 के पार

मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं का प्रभाव कम होते ही गर्मी बढ़ने लगी है। राज्य के इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग में तापमान 36 के पार पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 मार्च के बाद तापमान में और वृद्धि होगी। हालांकि, बर्फीली हवाओं के प्रभाव के कारण चार दिनों में रात का तापमान करीब 6 डिग्री तक गिर गया था।

राजस्थान में गर्मी बढ़ी

राजस्थान में गर्मी के तेवर तीखे हो रहे हैं। पश्चिमी हवा के प्रभाव से दिन में तापमान बढ़ गया है, जबकि सुबह-शाम की ठंडक कम होती जा रही है। बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर और डूंगरपुर में तापमान 36 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया है। वहीं, बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 12 मार्च तक शुष्क मौसम रहने की संभावना जताई है, लेकिन धुलंडी पर बादलों की उपस्थिति देखी जा सकती है।

छत्तीसगढ़ में तापमान पहुंचा 37 के पार

छत्तीसगढ़ में भी गर्मी बढ़ रही है। राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर और बेमेतरा में तापमान 37.5 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, कुछ इलाकों में अब भी हल्की ठंडक बनी हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो 13 मार्च तक राज्य में गर्मी और बढ़ सकती है।

हरियाणा में छाएंगे बादल और चलेंगी तेज हवाएं

हरियाणा में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है। महेंद्रगढ़ में अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री तक दर्ज किया गया है, जबकि फरीदाबाद, हिसार और नारनौल का तापमान 31 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक राज्य में तेज हवाएं चलेंगी और बादल छाए रहेंगे। पंजाब में भी गर्मी बढ़ रही है। यहां अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री तक दर्ज किया गया है। अगले 48 घंटों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है।

देश के विभिन्न हिस्सों में मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है। पहाड़ी राज्यों में जहां बर्फबारी और बारिश का दौर थमने के बाद लैंडस्लाइड और एवलांच का खतरा बढ़ गया है, वहीं मध्य और पश्चिमी भारत में गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरु कर दिए हैं। अगले कुछ दिनों में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है, जिससे गर्मी

पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे मॉरीशस, राष्ट्रीय समारोह के बनेंगे चीफ गेस्ट

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस जाएंगे। वहां व्यापार, क्षमता निर्माण और सीमा पार वित्तीय अपराधों से निपटने को लेकर कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे पीएम मोदी 12 मार्च को मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच क्षमता निर्माण, द्विपक्षीय व्यापार, वित्तीय अपराधों की रोकथाम और लघु एवं मध्यम उद्योगों के संवर्धन से जुड़े कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने और आने वाले सालों में सहयोग को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगी। विदेश सचिव ने मॉरीशस को भारत का करीबी समुद्री पड़ोसी बताते हुए कहा कि भारत मॉरीशस का प्राथमिक विकास साझेदार बनने का सौभाग्य प्राप्त कर चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में दोनों देशों के संबंध मजबूत हुए हैं। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल और भारतीय नौसेना का एक जहाज भी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेगा। मॉरीशस, जो पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, भारत का पुराना और घनिष्ठ साझेदार रहा है। इस घनिष्ठता का एक मुख्य कारण यह है कि मॉरीशस की 12 लाख की कुल जनसंख्या में करीब 70 फीसदी लोग भारतीय मूल के हैं।

इजरायली पर्यटक रेप मामले में 02 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु।

कर्नाटक में इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ रेप मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। यहां बताते चलें कि यह घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे तब हुई जबकि कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी के पास सनापुर झील आरोपियों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय होमस्टे संचालिका के साथ दुष्कर्म किया था। इस वारदात के दौरान आरोपियों ने महिलाओं के साथ तीन पुरुषों की जमकर पिटाई भी की थी। मारपीट के बाद आरोपियों ने एक युवक को तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया था, जिसका दो दिन बाद शव नहर से बरामद किया गया था। मृतक युवक ओडिशा का पर्यटक बताया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। इस मामले को गंगावती रूरल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। यहां हत्या की भी धाराएं जोड़ी गईं और जांच में मामले को लिया गया। पुलिस ने गहन जांच और छापामारी करते हुए दो आरोपियों मल्लेश उर्फ हांडी मल्ला (22 साल) और चेतन साई सिलेक्यातर (21 साल) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। दोनों ही आरोपी गंगावती के निवासी बताए गए हैं। एक अन्य संदिग्ध आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

दिल्ली जीतने के बाद बीजेपी ने पूर्वांचलियों को दिया रिटर्न गिफ्ट, पंकज को बनाया मंत्री

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के वक्त पूर्वांचलियों का मुद्दा काफी उठा था। अब दिल्ली जीत मिलने पर पार्टी ने पूर्वांचलियों को रिटर्न गिफ्ट दिया है। विकासपुरी सीट से जीते पंकज कुमार सिंह रामलीला मैदान में मंत्री पद की शपथ लेंगे। पंकज कुमार के पास बिहार के बोधगया की मगध यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी की डिग्री है। पंकज लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। वे दिल्ली नगर निगम में भी कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वे स्वर्गीय राजा मोहन सिंह के बेटे हैं जो एमसीडी के पूर्व कमिश्नर रह चुके हैं। उनकी पत्नी भी पेशे से डेंटिस्ट हैं। उनकी दो बेटियां हैं। पंकज पहली बार विधायक बने हैं। उन्हें मंत्री बनाकर बीजेपी पूर्वांचली वोट बैंक को साधना चाहती है। विधायक बनने से पहले वे निगम पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने चुनाव में आम आदमी पार्टी के महेंद्र यादव को हराया। उनके खिलाफ मैदान में कांग्रेस से एडवोकेट जितेंद्र सोलंकी थे। 48 साल के पंकज सिंह के पास 4.94 करोड़ रुपए की संपत्ति है। उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक पंकज के पास अपना कोई वाहन नहीं है। हालांकि उनकी पत्नी के पास मारुति कार है। वे डेंटिस्ट होने के साथ ही समाज सेवक भी हैं। पंकज के पास 15 ग्राम सोना है जिसकी कीमत 1,20,000 है। कई बड़े चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। इसमें नई दिल्ली से विधायक प्रवेश वर्मा, जनकपुरी से आशीष सूद, राजौरी गार्डन से मनजिंदर सिंह सिरसा, करावल नगर से कपिल मिश्रा, बवाना से रविंद्र इंद्रराज और विकासपुरी सीट से पंकज सिंह शामिल हैं।

भारत ने की अमेरिका में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा

-दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली।

अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। इस घटना की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीएपीएस संस्था के अनुसार, चिनो हिल्स स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर को अपवित्र किया गया है। इस घटना को लेकर हिंदू समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की जानकारी साझा करते हुए कहा है कि एक और मंदिर को अपवित्र किया गया। इस बार, कैलिफ़ोर्निया के चिनो हिल्स स्थित मंदिर को निशाना बनाया गया। हिंदू समुदाय इस नफ़रत के ख़िलाफ़ एकजुट होकर खड़ा है और हम कभी भी नफ़रत को पैर नहीं जमाने देंगे।

इस घटना को लेकर भारत ने भी कड़ा रुख दिखाया है और भारतीय विदेश मंत्रालय ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी किया है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने कैलिफ़ोर्निया के चिनो हिल्स स्थित हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की रिपोर्ट्स देखी हैं। हम इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा, कि हम स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अपील करते हैं कि वे इस घटना के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हमले की बढ़ती घटनाओं से समुदाय में बढ़ी चिंता

यह घटना अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं की कड़ी में एक और मामला है। इससे पहले भी अनेक मंदिरों में तोड़फोड़ और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटनाएं हो चुकी हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय और हिंदू संगठनों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए अमेरिकी प्रशासन से मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की तबीयत बिगड़ी, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (73 साल) की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है। उन्हें देर रात सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई थी, जिसके चलते रविवार अलसुबह करीब 2 बजे उन्हें एम्स में भर्ती कराया किया गया। सूत्रों के हवाले से प्राप्त जानकारी अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत होने के बाद रविवार करीब 2 बजे तड़के एम्स में भर्ती कराया गया है। कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में उनका इलाज किया जा रहा है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई गई है। डॉक्टरों का एक समूह उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए है।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा पहुंचे अस्पताल

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के स्वास्थ का हालचाल जानने एम्स पहुंचे। अस्पताल सूत्रों ने धनखड़ की हालत को स्थिर बताया है और इलाज जारी है। यहां बताते चलें कि सदा एक्टिव रहने वाले उपराष्ट्रपति धनखड़ अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। राज्यसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ की कार्यकुशलता के सभी कायल देखे गए हैं। उनके स्वस्थ होने की सभी ने कामना की है।

बिहार में बीपीएससी शिक्षकों को बांटे नियुक्ति पत्र, डिप्टी सीएम का ऐलान

-राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देंगे

पटना।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का ऐलान किया है। पटना के गांधी मैदान में उन्होंने यह घोषणा बीपीएससी शिक्षक भर्ती के तीसरे चरण में चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद की। इस दौरान बिहार के सीएम नीतीश कुमार समेत कई अधिकारी मंच पर मौजूद थे।

रविवार को बिहार सरकार ने बीपीएससी टीआरई-3 भर्ती अभियान में चयनित 51 हजार से ज्यादा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। पटना के गांधी मैदान में नव निर्वाचित शिक्षकों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने 10,739 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जबकि राज्य के बाकी 31 जिलों में भी नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किए गए।

गांधी मैदान में आयोजित इस समारोह में डिप्टी सीएम ने 50 लाख युवाओं को रोजगार देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज से चार-पांच दिन पहले उन्होंने विधानसभा में घोषणा की कि हम पचास लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का काम करेंगे। इतना ऐतिहासिक कार्य करने वाला देश में कोई सीएम नहीं है। आपने स्वयं महसूस किया होगा कि कल तक डिग्री लाओ, नौकरी पाओ के जरिए से लोग कहते थे कि बिहार में शिक्षा की गुणवत्ता नहीं है, लेकिन मैं यह जरूर गारंटी देता हूं कि आज जो बीएसएससी से सभी शिक्षक आए हैं, वे एक-एक व्यक्ति गुणवत्ता के साथ हमारे बच्चों को शिक्षित करने का काम करेंगे।

डिप्टी सीएम ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर जब बिहार का बजट पेश कर रहे थे तो 3,17,000 करोड़ के बजट में 60 हजार करोड़ सिर्फ शिक्षक और शिक्षा विभाग को देने का काम किया गया।

तेलंगाना टनल हादसा: 16वें दिन एक शव, 7 मजदूरों की तलाश जारी

नागरकुर्नूल।

श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को पहला शव मिला है। शव एक मशीन में फंसा हुआ मिला, जिसे काटकर बाहर निकाला जा रहा है। अभी भी 7 अन्य मजदूरों की तलाश जारी है। टनल हादसे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रेस्क्यू ऑफिसर के मुताबिक, शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले, राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों (स्निफर डॉग्स) ने एक खास जगह पर तेज गंध का संकेत दिया था, जहां तीन मजदूरों के होने की संभावना थी। इस बीच मलबे को हटाने का काम तेजी से जारी है। बचाव अभियान को तेज करने के लिए रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस ऑपरेशन में 525 कर्मी लगे हुए हैं। यहां बताते चलें कि टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को अचानक धंस गया था, जिसमें 8 मजदूर फंस गए थे। राज्य सरकार ने पहले ही आशंका जताई थी कि उनके बचने की संभावना बहुत कम है, लेकिन फिर भी बचाव कार्य जारी रखा गया।

इस कंपनी ने दी थी चेतावनी

गौरतलब है कि 2020 में एमबर्ग टेक एजी नाम की एक कंपनी ने टनल का सर्वे किया था और खतरनाक फॉल्ट ज़ोन की चेतावनी दी थी। रिपोर्ट में 13.88 किमी से 13.91 किमी के हिस्से को कमजोर और असुरक्षित बताया गया था, जहां पानी भरने और जमीन धंसने का खतरा था। बचाव कर्मियों के हवाले से बताया गया है कि टनल का वही हिस्सा गिरा है जिसे कंपनी की रिपोर्ट में खतरनाक बताया गया था। हालांकि, सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने दावा किया है कि उन्हें इस रिपोर्ट की कोई जानकारी नहीं थी। इस हादसे के बाद से प्रशासन पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं कि अगर 5 साल पहले ही चेतावनी दी गई थी, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई? हादसे में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग भी तेज हो रही है। फिलहाल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और बाकी 7 मजदूरों की तलाश की जा रही है।

सीपीसीबी की ताजा रिपोर्ट

महाकुंभ में स्नान के लिए उपयुक्त था गंगा-यमुना का पानी

नई दिल्ली।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का पानी स्नान के लिए उपयुक्त था। यह रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में प्रस्तुत की गई है, जिसमें कहा गया है कि आंकड़ों के विश्लेषण में पानी की गुणवत्ता प्रमुख मानकों पर खरी उतरी है।

एनजीटी में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि डेटा वेरिएबिलिटी के कारण सांख्यिकीय विश्लेषण (स्टेटिस्टिकल एनालिसिस) आवश्यक था, क्योंकि अलग-अलग तारीखों पर और विभिन्न स्थानों से लिए गए सैंपल में भिन्नता पाई गई थी। इस कारण पूरे नदी क्षेत्र की जल गुणवत्ता का सही आकलन करना कठिन हो गया था।

हालांकि, रिपोर्ट को 28 फरवरी को तैयार किया गया था, लेकिन इसे एनजीटी की वेबसाइट पर 7 मार्च को अपलोड किया गया। सीपीसीबी ने महाकुंभ के दौरान 12 जनवरी से हर सप्ताह दो बार जल की गुणवत्ता की निगरानी की। गंगा नदी पर पांच स्थानों और यमुना नदी पर दो स्थानों पर विशेषज्ञ समिति द्वारा यह परीक्षण किया गया।

महाकुंभ के दौरान पानी की गुणवत्ता पर उठे सवाल

महाकुंभ का समापन हो चुका है, लेकिन इस दौरान नदियों के पानी में स्नान को लेकर कई सवाल उठे थे। कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि पानी की गुणवत्ता स्नान के लिए उपयुक्त नहीं थी। 17 फरवरी को सीपीसीबी ने एनजीटी को सूचित किया था कि विभिन्न स्थानों पर पानी की गुणवत्ता समय-समय पर स्नान के मानकों पर भी खरी नहीं उतरी।

फेकल स्तर में वृद्धि और अगली सुनवाई

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के स्नान करने से फेकल स्तर में वृद्धि हुई थी, जिससे जल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती थी। इस मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल को निर्धारित की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सौरभ तिवारी कोर्ट में पेश हुए थे। यह रिपोर्ट जल प्रदूषण की स्थिति और भविष्य में नदियों की गुणवत्ता सुधार के उपायों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(पुण्य स्मरण) सावित्रीबाई फुले : देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका

सावित्रीबाई फुले भारतीय समाज की एक महान शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की अग्रणी थीं। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को पुणे के नजदीक नायगांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए अपने जीवन का सम्पूर्ण समय समर्पित किया। उन्होंने न केवल महिलाओं के शिक्षा अधिकार की वकालत की, बल्कि समाज के उत्पीड़ित वर्गों के लिए भी कार्य किया। सावित्रीबाई का विवाह 9 वर्ष की उम्र में महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले से हुआ था।

(लेखक- हर्षवर्धन पाण्डे)

शिक्षा एकमात्र ऐसा हथियार है जिससे हम अपना और राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। वैसे तो पुरातन काल में हमारे देश में पुरुषों को ही शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति दी जाती थी लेकिन सभी पुराने जंजीरों को तोड़ते हुए महिलाओं को शिक्षा देने के उद्देश्य से समाज के सामने देश की सबसे पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का विलक्षण व्यक्तित्व सामने आता है। एक दौर में जब महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद रखा जाता था, सावित्रीबाई फुले ने समाज के रूढ़िवादी मान्यताओं को चुनौती देते हुए नारी सशक्तिकरण का बिगुल बजाया। महज नौ वर्ष की उम्र में विवाह बंधन में बंधी सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर समाज सुधार के अनेक कार्य किए। वह भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक थीं, जिन्होंने महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया। उनके प्रयासों से शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और शैक्षणिक क्रांति की नींव पड़ी।

सावित्रीबाई फुले भारतीय समाज की एक महान शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की अग्रणी थीं। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 को पुणे के नजदीक नायगांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए अपने जीवन का सम्पूर्ण समय समर्पित किया। उन्होंने न केवल महिलाओं के शिक्षा अधिकार की वकालत की, बल्कि समाज के उत्पीड़ित वर्गों के लिए भी कार्य किया। सावित्रीबाई का विवाह 9 वर्ष की उम्र में महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले से हुआ था। फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज उठाई थी। वे स्त्री शिक्षा के समर्थक थे और उन्होंने सावित्रीबाई को पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया। सावित्रीबाई ने अपनी शादी के बाद ही शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा और एक नई दिशा की ओर बढ़ी। 1 जनवरी 1848 को सावित्रीबाई और ज्योतिबा फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला। यह उस समय सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था। इस पहल का रूढ़िवादी समाज ने घोर विरोध किया। उन्हें अपमान सहना पड़ा, रास्ते में उन पर पत्थर फेंके गए और गालियां दी गईं लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। महिलाओं और दलित समुदाय को शिक्षित करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने कठोर संघर्ष किया। धीरे-धीरे फुले दंपति ने पुणे और उसके आसपास के गांवों में 18 स्कूलों की स्थापना की।

सावित्रीबाई जब पढ़ने स्कूल जाती थीं तो लोग उन्हें पत्थर, कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे। वह अपने साथ एक जोड़ी कपड़ा साथ लेकर जाती थीं और स्कूल पहुंचकर गोबर और कीचड़ से गंदे हो गए कपड़ों को बदल लेती थीं। उन्होंने हिम्मत नहीं और और हर चुनौती का सामना किया। पढ़ने के बाद उन्होंने दूसरी लड़कियों और दलितों के लिए एजुकेशन पर काम करना किया।सावित्रीबाई फुले को शिक्षा के क्षेत्र में महान योगदान देने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। 1848 में उन्होंने भारत में पहली बार महिलाओं के लिए एक स्कूल खोला। यह स्कूल पुणे के एक उपनगर में स्थित था और यहाँ पर केवल लड़कियाँ ही पढ़ने आती थीं। इस पहल ने भारतीय समाज में शिक्षा के प्रति महिलाओं के अधिकार को उजागर किया और उनके लिए शिक्षा के द्वार खोल दिए।सावित्रीबाई फुले ने अपनी शिक्षा प्रणाली में जातिवाद, धर्मवाद और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने सिखाया कि शिक्षा केवल एक व्यक्ति की क्षमता का निर्माण नहीं करती, बल्कि यह समाज को भी एक बेहतर दिशा में मार्गदर्शन देती है।

सावित्रीबाई ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कियाबल्कि उन्होंने समाज के अन्य क्षेत्रों में भी सुधार की दिशा में कई कदम उठाए। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा पुनर्विवाह जैसे कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। वे समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की और उ महिलाओं के हक में कई अभियान चलाए। सावित्रीबाई ने 1854 में सीनियर स्कूल में दलित बच्चों को भी शिक्षा देने की पहल की थी। इससे यह साबित हुआ कि उनके लिए किसी भी जाति या धर्म के बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार समान था। उन्होंने यह भी सिखाया कि समाज में लैंगिक समानता और अधिकारों की स्थिति को लेकर पुरुषों और महिलाओं को एक समान दृष्टिकोण रखना चाहिए।

सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन में कई व्यक्तिगत संघर्षों का सामना किया। उनका समाज ने कई बार विरोध किया, ताने मारे और कई बार उन्हें शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित किया गया लेकिन उन्होंने इन सभी कष्टों को सहन किया और अपने कार्यों को जारी रखा। वे जीवनभर समाज की जड़ता और पितृसत्तात्मक मानसिकता से संघर्ष करती रहीं। सावित्रीबाई फुले ने भारतीय समाज में महिलाओं और समाज के निचले वर्गों के लिए जो कार्य किए, वह अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया कि शिक्षा ही समाज के सुधार और जागरूकता का सबसे शक्तिशाली साधन है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और वे आज भी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सामाजिक समानता के प्रतीक के रूप में जानी जाती हैं। सावित्रीबाई ने औरतों के हक के लिए बहुत लड़ाई लड़ी। उन्होंने सिर्फ औरतों के लिए ही नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी आवाज उठाई जिन्हें समाज में कमतर समझा जाता था। उन्होंने जाति-पाति, छुआछूत और विधवाओं के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ खड़े होकर बात की। सावित्रीबाई ने गरीबों और औरतों को पढ़ाने के लिए स्कूल खोले। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सब बराबर हैं और किसी को कम नहीं समझना चाहिए।

महाराष्ट्र में 1875 से 1877 के बीच बहुत बड़ा अकाल पड़ा था। लोगों को उस दौर में खाने-पीने की चीज़ें नहीं मिल पा रही थी और सभी बहुत बीमार पड़ रहे थे। सावित्रीबाई ने सत्यशोधक समाज नाम के एक समूह का नेतृत्व किया। इस समूह के लोगों ने बहुत सारे बीमार लोगों की मदद की। सत्यशोधक समाज के लोग बिना किसी पंडित या पुजारी के शादियां करवाते थे। उन्हें दहेज लेने-देने का भी विरोध था। 1896 में फिर से महाराष्ट्र में बहुत बड़ा अकाल पड़ा। इस दौरान सावित्रीबाई को पता चला कि उनके दोस्त पांडुरंग बाबाजी गायकवाड़ का बेटा बहुत बीमार है। सावित्रीबाई तुरंत उनके पास गईं और बीमार बच्चे को अपनी पीठ पर उठाकर डॉक्टर के पास ले गईं। इस दौरान खुद सावित्रीबाई भी बीमार हो गईं। उन्हें प्लेग नाम की बीमारी हो गई थी। इसी बीमारी की वजह से 10 मार्च, 1897 को सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया।

सावित्रीबाई ने कन्या हत्या को रोकने के लिए प्रभावी पहल भी की थी। उन्होंने न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने के लिए अभियान चलाया बल्कि नवजात कन्या शिशु के लिए आश्रम तक खोले। जिससे उनकी रक्षा की जा सके। सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन केवल लड़कियों को पढ़ाने और समाज को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिया। सावित्रीबाई फुले का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था लेकिन फिर भी बचपन से ही उनका लक्ष्य था कि 'किसी के साथ भी कोई भेदभाव ना हो और हर किसी को बराबरी का हक मिलने का साथ पढ़ने का समान अवसर मिले। उनके विचारों की वजह से वह भारत की पहली महिला शिक्षक, कवियत्री, समाजसेविका बनी जिनका मुख्य मकसद महिलाओं का उत्थान रहा।

सावित्रीबाई फुले की यात्रा यह सिखाती है कि जब तक समाज में समानता और न्याय नहीं आता, तब तक निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। उनके द्वारा किए गए कार्यों ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया में महिलाओं और उत्पीड़ित वर्गों के लिए एक नया रास्ता खोला। उनकी निडर भावना और यथास्थिति को चुनौती देने का दृढ़ संकल्प अविश्वसनीय है। हर तरह के दमन और भेदभाव के खिलाफ उनकी लड़ाई प्रशंसनीय है। फुले ने महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता का जो अमूल्य उपहार दिया उसकी बदौलत वह आज भी याद की जाती हैं । उनके जीवन ने यह साबित किया कि समर्पण, लगन और संघर्ष से समाज की हर बाधा को पार किया जा सकता है।

महिला शिक्षा को लेकर उनका योगदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

नशीले पदार्थों की बरामदगी

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

किम जोंग पर ट्रंप की चुप्पी के मायने

पुष्परंजन

सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस-यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने स्वघोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था। क्या अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए? ठीक एक माह पहले 7 फरवरी को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने डोनाल्ड ट्रम्प को सुझाव दिया था, कि वो उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन से दोबारा बात करें। लेकिन, ज़ेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे। ज़ेलेन्स्की, चाहे आने वाले दिनों में नरम पड़ जाएं, या खनिज समझौता कर लें, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति की जिस तरह आमने-सामने हेकड़ी उतारी है, उससे उनका प्रभामंडल निस्तेज हुआ है। अटलांटिक से लेकर, एशिया-प्रशांत और मिडल ईस्ट तक कुछ शासन प्रमुखों का हौसला बुलंद हुआ है, कि व्हाइट हाउस से दबो नहीं। तुर्की-ब-तुर्की जवाब दो। 7 फरवरी, 2025 को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए कहा, कि 'वह हम सबों के लिए बहुत बड़े धरोहर हैं। मैं उनसे मिलता रहता हूं।' इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान किम के साथ उनकी बातचीत ने कोरियाई प्रायद्वीप पर युद्ध को रोक दिया था। चाहे यह सच हो, या नहीं, ट्रम्प ने निश्चित रूप से अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उत्तर कोरिया के साथ बेहतर व्यवहार किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सुंदर भाषण दिए, लेकिन पूर्वी एशिया के कई देशों, जिनमें अमेरिकी सहयोगी और साझेदार भी शामिल हैं, के सामने वे कमज़ोर नज़र आए। आठ साल तक उन्होंने उत्तर कोरिया के बारे में कुछ नहीं किया, बल्कि बराक ने इसे 'रणनीतिक धैर्य' की नीति कहा था। इसका फायदा उठाकर फ्योंगयांग ने अपने मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रफ्तार दे दी। ट्रम्प, किम जोंग उन से सीधा उलझने से बचते रहे। ट्रम्प ने किम से तीन बार मुलाकात की - 2018 में सिंगापुर में, 2019 में हनोई में, और 2019 में ही उत्तर और दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र में। फोटोऑप तक सीमित ये बैठकें, इसलिए विफल रहीं क्योंकि वे खराब तरीके से तैयार की गई थीं। इसमें 'परमाणु निरस्त्रीकरण' का कोई ठोस लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार, या मिसाइल कार्यक्रमों को वैसे भी नहीं छोड़ने वाला है। उत्तर कोरिया के हवाले से कुछ विशेषज्ञों का आकलन है कि ट्रंप अपने कूटनीतिक टूलबॉक्स से धूल झाड़ सकते हैं, और किम जोंग उन के साथ एक और शिखर सम्मेलन की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किम, परमाणु राज्य का दर्जा पाने की महत्वाकांक्षा त्याग नहीं सकते। पिछले महीने 'नई ह्वासोंग-19 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल' के परीक्षण के बाद, उत्तर कोरिया ने पुष्टि की, कि देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की नीति कभी नहीं बदलेगी। 2023 में, उत्तर कोरिया ने परमाणु शक्ति को मजबूत करने की अपनी नीति को सुदृढ़ करने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। उसने स्पष्ट कर दिया कि परमाणु संपन्न देश बनने की उसकी स्थिति 'अपरिवर्तनीय' बनी हुई है। पिछले महीने, नौ वर्षों में पहली बार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के रक्षा प्रमुखों के बीच की सुरक्षा परामर्श बैठक के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया। यह एक संभावित संकेत है, कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण अब वास्तविक रूप से प्राप्त करने योग्य नहीं है। यदि किम, ट्रंप के साथ बैठते हैं, तो वे उत्तर कोरिया को परमाणु संपन्न देश के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता दिए जाने पर बातचीत करने का प्रयास करेंगे, तथा 'परमाणु निरस्त्रीकरण' के बजाय 'परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बाद में प्रदत रियायतें मांगेंगे, जो उनके पिछले शिखर सम्मेलनों के दौरान चर्चा में था। कोरिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए कन्वर्जेंस संस्थान के निदेशक नाम सुंग-वुक का कहना है, 'बदले में ट्रम्प इसकी गारंटी ले सकते हैं, कि अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम उत्तर कोरियाई मिसाइलों का मुंह किम घुमा दें।' सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस-यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने स्वघोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था। उत्तर कोरिया ने रूस में अपने सैन्य कर्मियों को भेजा, जिन्होंने रूसी वर्दी में, और रूसी कमान के तहत रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उत्तर कोरिया का हथियार उद्योग लहलहा रहा है। नवंबर, 2024 के मध्य तक, यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए 50 उत्तर कोरिया निर्मित एम-1989 कोकसन स्व-चालित हॉवित्जर, और लगभग 20 एम-1991 शॉर्ट-रेंज मिसाइल सिस्टम रूस को दिए गए थे। ट्रम्प अपने दूसरे कालखंड में तानाशाहों से उलझते-उलझते खुद भी डिक्टेटर की भूमिका में आते दिखने लगे हैं। उन्होंने जब यह कहा, कि 'डिक्टेटर' पुतिन नहीं, ज़ेलेन्स्की है, तब क्रेमलिन को अच्छा लगा था। ओवल ऑफिस में जो कुछ ट्रम्प-ज़ेलेन्स्की के बीच हुआ, पुतिन उस दिन से सॉफ्ट हैं। लेकिन, क्या मालूम इस 'नूरा कुश्ती' की पटकथा पहले से लिखी गई हो? यह सब देखते हुए, किम जोंग उन में भी रणनीतिक बदलाव की ज़रूरत आन पड़ी है। चीन, ट्रम्प के टैरिफ़ युद्ध से निपटने के वास्ते किसी भी स्तर पर जाने के लिए ताल ठोक रहा है, ऐसे में किम जोंग उन जैसा तानाशाह, शी चीन फिंग को चाहिए ही। पुतिन को अत्यधिक महत्व देने को लेकर शी और किम जोंग उन के बीच दूरियां लोगों ने महसूस की थी। अपरोक्ष रूप से अमेरिकन्स ने भी शी को इस मुद्दे पर समझाने की कोशिश की थी। वर्ष 2018 से किम जोंग उन की विदेश यात्राओं पर ग़ौर कीजिये, वह रूस, केवल एक बार गए हैं, और चीन चार बार। इससे अंदाज़ा लगा था, कि रिमोट कंट्रोल प्रेसिडेंट शी के पास है। लेकिन, 2023-24 के दौरान पुतिन-किम शिखर बैठकों ने द्विपक्षीय सहयोग को नए स्तरों पर पहुंचा दिया। इन निराशाओं के बावजूद, चीन, उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है, जो कोयला और वस्त्र सहित उसके 90 प्रतिशत निर्यात को खरीदता है।

(चिंतन-मनन)

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है। असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है। जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है। मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

कबीर दास जी ने इसी बात को अपने दोहे में कहा है

मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे ,मैं तो तेरे पास में
ना तीरथ में ना मूरत में, ना एकांत निवास में
ना मंदिर में ना मस्जिद में ,ना काशी कैलास में
मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे ,मैं तो तेरे पास में
ना मैं जप में ना मैं तप में, ना मैं ब्रत उपबास में
ना मैं किरिया करम में रहता नहीं जोग सन्यास में
मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे ,मैं तो तेरे पास में।।

कबीर दास जी ने कहा है कि भगवान को कहीं ढूंढने की जरूरत नहीं है वह हमेशा अपने भक्तों के साथ रहते हैं। इन्हें पाने के लिए तीर्थस्थलों में भटकने की जरूरत नहीं है। मन से ध्यान करके देखिए ईश्वर नजर आ जाएंगे। कभी ध्यान लगाकर देखिए ईश्वर में मन जितना स्थिर होगा ईश्वर की छवि उतनी साफ सामने नज़र आएगी। जब तक ध्यान ईश्वर में पूरी तरह रम नहीं जाता तब तक धुंधली छवि चित्त में आती जाती रहती है।

कई संत महापुरूषों ने ईश्वर को अपने सामने स्पष्ट देखा है। उन्हें ईश्वर को देखने में इसलिए कामयाबी मिली क्योंकि उनका ध्यान हर चीज का हट कर एक स्थान पर केन्द्रित हो गया था। अगर हम भी नित ईश्वर में ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास करें तो संत महात्माओं की तरह ईश्वर के दर्शन हम भी प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि ईश्वर कहीं दूर नहीं हमारे आस-पास है और हर पल हमें देख रहा है।

विचार मंथन

औरंगजेब के असीरगढ़ किला

पिछले महीने 14 फरवरी को छावा फिल्म का हिंदी संस्करण प्रीमियर शो के बाद पर्दे पर आया है। यह फिल्म मराठा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी राव महाराज की बायोपिक है। यह फिल्म मराठी उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म को सुनियोजित तरीके से फिल्माया गया है। इस फिल्म में औरंगजेब की भूमिका फिल्म अभिनेता अक्षय खन्ना, महारानी येसुबाई की भूमिका रश्मिका मंदांना ने, आशुतोष राणा ने सर सेनापति हंबीरराव मोहिते की भूमिका निभाई है। जैसे ही यह फिल्म प्रदर्शित हुई। उसके तुरंत बाद इस फिल्म को लेकर देशभर में राजनीति शुरू हो गई। औरंगजेब अच्छा शासक था, या खराब इसको लेकर एक बहस शुरू की गई। महाराष्ट्र विधानसभा से एक विधायक द्वारा औरंगजेब को बेहतर शासक बताए जाने और उसके द्वारा हिंदू मंदिर बनवाए गए। यह कहे जाने के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। पिछले कई दिनों से औरंगजेब मीडिया में छाए हुए हैं। महाराष्ट्र से लगी यह आग धीरे-धीरे उत्तर प्रदेश होते हुए पूरे देश में फैल गई है। रही-सही कसर अब फिल्म पूरी कर रही है। छावा फिल्म में मध्य प्रदेश के असीरगढ़ के किले को दिखाया गया है। औरंगजेब सोने-चांदी की लूट करके असीरगढ़ किले में जमा करता था। यहां पर उसने एक टकसाल बना रखी थी। जिसमें वह सिक्के ढलवाया करता था। फिल्म का यह दृश्य देखने के बाद सारे देश में यह अफवाह फैली, कि असीरगढ़ के किले में बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के सिक्के छुपाकर मुगल शासकों द्वारा रखा गया था। उसके बाद से असीरगढ़ के किले बुरहानपुर के आसपास के लोग और अब बाहर से हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। सोने की लालच में असीरगढ़ के किले को खोदा जा रहा है। हजारों की संख्या में असीरगढ़ किले में शाम को 7 बजे से सुबह 3 बजे तक बड़े पैमाने पर खुदाई की जा रही है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। सोने की खोज में किले के अंदर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। वीडियो में कुछ लोग दावा करते हुए नजर आ रहे हैं, कि उन्हें खुदाई में सोना मिला है। उनके इस दावे के बाद रोजाना किले की खुदाई करने वालों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। रात होते ही जब बुरहानपुर अंधेरे की आगोश में होता है, तब यहां पर हजारों लोग किले की खुदाई करके एक तरह से सोने की खोज में किले को जमी-दोज करने का प्रयास कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन नींद से जागा है। अधिकारियों ने चेतावनी जारी की है। असीरगढ़ किले की खुदाई करने वालों पर जिला प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार औरंगजेब के इस किले को गिराने के लिए सोने की अफवाह उड़ाई गई है। औरंगजेब के मुगल काल में इस किले का बड़ा महत्व रहा है। यह कहा जा रहा है कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मुगल काल की इस ऐतिहासिक स्वरूप को समाप्त करने के लिए पहले मराठी उपन्यास छावा लिखा गया, उसके बाद इस उपन्यास के आधार पर फिल्म बनाने का दायित्व अक्षय खन्ना को दिया गया। इस फिल्म में जो दृश्य दिखाए गए हैं, उन दृष्यों के आधार पर देश भर में एक नई राजनीति और अफवाहों का दौर शुरू हुआ। फिल्म ने अभी तक 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। देश की राजनीति औरंगजेब और इसी फिल्म के आस-पास देखने को मिल रही है। जिसने हिंदू और मुगल के नाम पर एक ऐसी अलगाववाद की चेतना पैदा कर दी है। राजनीति के साथ-साथ असीरगढ़ किले के ऐतिहासिक महत्व को खत्म करने के लिए किले को नेस्त-नाबूत करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। जिस तरह विवादित ढांचा अयोध्या में गिराया गया था, ठीक उसी तर्ज पर भीड़ द्वारा असीरगढ़ को नेस्तनाबूद करने के लिए सोने की अफवाह फैलाई गई है। वह अफवाह सफल होती दिख रही है। किले के आसपास बड़ी मात्रा में सोने के लालच में खुदाई शुरू हो चुकी है। जिला प्रशासन भी शांत बैठा हुआ है। वैसे असीरगढ़ का किला हैहयवंश के अंतिम क्षत्रिय राजा आसा अहीर द्वारा बनवाया गया था। इतिहासकारों ने इसे बाब-ए-दक्खन यानी दक्षिणी द्वार और कलोद-ए-दक्खन यानी दक्षिण की कुँजी के नाम से उल्लेखित किया है। इसका अपना एक ऐतिहासिक पुरातात्विक महत्व है। ऐसे में इसका संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के नियमानुसार किया जाना चाहिए, लेकिन फिल्म छावा के झूठ-सच के विवाद के बीच में यह ऐतिहासिक धरोहर कितने दिन सुरक्षित रहेगी, इसका भगवान ही मालिक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा मोटर्स फाइनेंस के विलय की मंजूरी के बाद आईपीओ लाएगी टाटा कैपिटल

नई दिल्ली । आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए टाटा कैपिटल ने अपने विलय को मंजूरी देने के बाद राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से शुरूआती दस्तावेज़ दाखिल करने की तैयारी की है। प्राथमिक श्रोतों के अनुसार इस आईपीओ का आकार करीब दो अरब डॉलर (17,000 करोड़ रुपये) हो सकता है। इसके साथ ही कंपनी का मूल्यांकन भी इसी आईपीओ के लिए लगभग 11 अरब डॉलर होगा। इस आईपीओ के साथ टाटा कैपिटल भारतीय रिज़र्व बैंक की मान्यता को प्राप्त करके अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए न केवल अपना उत्तर्दायित्व बढ़ा रहा है, बल्कि उच्चतम स्तर की एनबीएफसी में भी मान्यता प्राप्त कर रहा है। यह अवसर न केवल कंपनी के विकास के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है, बल्कि यह देश के वित्तीय क्षेत्र में भी एक गम्भीर कदम हो सकता है।

अल्ट्रावॉयलेट अगले तीन से चार साल में 870 करोड़ निवेश करेगी

बेंगलुरु। प्रीमियम इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता अल्ट्रावॉयलेट ने अगले तीन से चार साल में करीब 10 करोड़ डॉलर (करीब 870 करोड़ रुपये) का निवेश करने की योजना बनाई है। इस निवेश का मुख्य ध्यान उत्पाद पोर्टफोलियो, विनिर्माण और नेटवर्क विस्तार पर होगा। अल्ट्रावॉयलेट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने इस निवेश की जानकारी दी। कंपनी ने अगले तीन साल में स्कूटर और लंबी दूरी की क्रूजर बाइक सहित 10 नए उत्पाद लाने की योजना घोषित की है। यह नए उत्पाद भारत, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में उपलब्ध होंगे। कंपनी का लक्ष्य इस अवधि में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री करना है। अल्ट्रावॉयलेट के प्रमुख ने बताया कि कंपनी ने पहले ही चार्जिंग प्रणाली, बैटरी प्रणाली, मोटर कंट्रोल और वाहन नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट कनेक्टेड प्रणाली और उन्नत सेंसिंग प्रणाली में निवेश किया है। अगले तीन से चार साल के निवेश योजनाओं के बारे में बात करते हुए, कंपनी के नेतृत्व ने बताया कि हम सात-10 करोड़ डॉलर के निवेश के दृष्टिकोण से चर्चा कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उत्पाद पोर्टफोलियो विस्तार, भौगोलिक विस्तार और वृद्धि को बढ़ाना है।

भारत के साथ व्यापार संबंध और मजबूत करना चाहते हैं इटली के कृषि मंत्री

नई दिल्ली । इटली के कृषि मंत्री फ्रांसेस्को लोलोब्रिगिडा ने भारत में आयोजित व्यापार संवर्द्धन प्रदर्शनी विनइटली के मंच से भारत-इटली संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की जरूरत का जिक्र करते हुए कहा कि पारस्परिक व्यापार संबंधों को और भी मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने यहाँ विनइटली के महत्व को हावी मंच बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से वाइन और कंपनियों का प्रतिनिधित्व होता है। उन्होंने वीडियो संदेश में दोनों देशों के मजबूत संबंधों का जिक्र करते हुए पारस्परिक निर्यात के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि दोस्ताना संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ पारस्परिक व्यापार संबंधों को भी विकसित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

भुवनेश्वर के लिए नई उड़ान हिंडन सिविल टर्मिनल से शुरू होगी

नई दिल्ली । गाज़ियाबाद के हिंडन सिविल टर्मिनल से फ्लाइट की लंबी रेंज के बाद अब भुवनेश्वर के लिए भी नई उड़ान शुरू होने वाली है। भुवनेश्वर के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसकी घोषणा की है। 30 मार्च को इस रूट पर पहली फ्लाइट का आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह उड़ान भुवनेश्वर के लिए नये पर्यटन, व्यापार और कनेक्टिविटी के द्वार खोलेगी। हिंडन सिविल टर्मिनल के अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इस नए रूट की तैयारी शेड्यूल पर है और इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द ही हो सकती है। यह उड़ान सुबह 9:20 बजे हिंडन से प्रस्थान करके 11:45 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी। इस रूट पर 180-सीटर विमान की सेवा उपलब्ध रहेगी। इस उत्कृष्ट सेवा का शुरूआती स्तर चेन्नई और जम्मू के लिए भी 22 और 23 मार्च को उड़ान भरेगी। हिंडन सिविल टर्मिनल से कई और लोकल और दूरस्थ शहरों के लिए उड़ानें चल चुकी हैं और इसका प्रयास भारत में हवाई संयोजन को अनुकूल बनाने का है।

एफपीआई ने मार्च में घरेलू शेयर बाजार से 24,753 करोड़ निकाले

- विदेशी निवेशकों ने फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले सप्ताह में घरेले शेयर बाजारों से 24,753 करोड़ रुपये (2.8 अरब डॉलर) की निकासी की है। इससे पहले फरवरी में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। कंपनियों की कमजोर आय और वैश्विक स्तर पर व्यापार तनाव बढ़ने के बीच एफपीआई लगातार शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक एफपीआई कुल 1.37 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने सात मार्च तक 24,753 करोड़ रुपये के शेयर बेचे है। यह उनकी शुद्ध निकासी का लगातार 13वां सप्ताह है। 13 दिसंबर, 2024 से एफपीआई 17.1 अरब अमेरिकी डॉलर के शेयर बेच चुके हैं। विदेशी निवेशकों द्वारा निरंतर बिक्री मुख्य रूप से वैश्विक और घरेलू कारकों के संयोजन के कारण है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका द्वारा मेक्सिको, कनाडा और चीन जैसे देशों पर ऊंचा शुल्क लगाए जाने तथा भारत सहित कई देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा से बाजार धारणा प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के कमजोर नतीजों ने नकारात्मक धारणा को और बढ़ा दिया है। इससे एफपीआई भारतीय शेयरों को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अनिश्चितता कमजोर रुपये से और बढ़ गई है,

जिससे भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण कम हो गया है। रुपये में गिरावट ने एफपीआई के लिए रिटर्न को कम कर दिया है। वहीं भारत की कर संरचना भी एक कारण है, जिसमें दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर 12.5 प्रतिशत कर और अल्पकालिक लाभ पर 20 प्रतिशत कर है, जो वैकल्पिक बाजारों के विपरीत है, जो कम या शून्य कर वातावरण प्रदान करते हैं।

डीपीआईआईटी ने उद्योगों से मांगे अप्रैल, 2022 से मासिक उत्पादन के आंकड़े

नई दिल्ली ।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अप्रैल, 2022 से आरंभ होने वाली नई औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की श्रृंखला के लिए विनिर्माण इकाइयों से अपने मासिक उत्पादन के आंकड़े देने के लिए कहा है। इसके साथ ही विभाग ने हितधारकों की जरूरतों के अनुरूप देश में औद्योगिक विकास के लिए नीतियां और रणनीतियां तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। विभाग द्वारा प्रस्तावित नयी पहल के अंदर, औद्योगिक वृद्धि की निगरानी के लिए विनिर्माण इकाइयों से औद्योगिक उत्पादन पर प्राथमिक जानकारी उपलब्ध कराने हेतु सहयोग का निवेदन किया गया है। विभाग ने एक पत्र में कहा है कि इस कदम के माध्यम से औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े सामग्री उत्पादन पारित करते समय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डीपीआईआईटी द्वारा निर्धारित नए आंकड़े नवीनतम माह तक प्रस्तुत किये जाने के लिए एक अपील भी की गई है। सरकारी पोर्टल में डाईरैक्ट डाटा डालने से पहले, इकाईयों की जिम्मेदारी होगी कि वे अप्रैल, 2022 से उनके मासिक उत्पादन के साथ उद्योगिक उत्पादन सूचकांक के नए आंकड़े दें। साथ ही, आंकड़ों का उपयोग आलेखिक वृद्धि की निगरानी अबाद होने के लिए ही किया जाएगा, और किसी भी अन्य उद्देश्य हेतु उनका इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। पिछले महीने जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2024 में भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई है।

महंगाई के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

- कच्चे तेल की कीमत और रुपए की चाल भी घरेलू शेयर बाजार को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

अमेरिकी टैरिफ में राहत दिये जाने के संकेत के बीच चीन की जवाब कार्रवाई में प्रोत्साहिन पैकेज और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने की घोषणा से स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह डेढ़ प्रतिशत से अधिक उछले घरेलू शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह वैश्विक रुख और फरवरी के महंगाई आंकड़ों से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1134.48 अंक अर्थात 1.55 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 74332.58 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 427.8 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22552.50 अंक पर रहा। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता काफी अहम होने वाला है। खुदरा महंगाई, डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति, डॉलर के प्रति रुपये की चाल, एफआईआई, घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से शेयर बाजार की दिशा तय होगी। इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमत और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल भी घरेलू शेयर बाजार को प्रभावित करेगी।

बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू बाजार ओवरसोल्ड स्तर से ऊपर आ गया है। अगर टैरिफ को लेकर अनिश्चितता कम होती है

और इसके साथ ही कॉरपोरेट आय में सुधार होता है तो एक बड़ी रिकवरी देखने को मिल सकती है। शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली जारी रखी है।

इस दौरान एफआईआई की ओर से बाजार से 15,501 करोड़ रुपये की निकासी की गई है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 20,950 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उनका कहना है कि निफ्टी इस हफ्ते अपने 100 हफ्तों के ईएमए 22,051 से रिकवर करके बंद हुआ है। निफ्टी के लिए 22,700 एक मजबूत रुकावट का स्तर होगा।

अगर निफ्टी इस स्तर को तोड़ देता है तो 23,100 का लेवल देखने को मिल सकता है। गिरावट पर इसका सपोर्ट 22,300 और 22,000 पर है।

महानायक ने अयोध्या में दो बीघा जमीन खरीदी, जल्द करेंगे बड़ा ऐलान

अयोध्या ।

अयोध्या के निकट राम मंदिर से करीब 20 मिनट की दूरी पर स्थित तिहुरा मांझा में महानायक अमिताभ बच्चन ने 86 लाख रुपये में दो बीघा जमीन खरीदी है। इस जमीन पर पिता हरिवंशराय बच्चन के नाम पर मेमोरियल ट्रस्ट बनने की संभावना है। इस खरीदी के माध्यम से द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ने हरिवंशराय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर उपहार पेश किया है। यह जमीन राम मंदिर से करीब 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। एक सूत्र के अनुसार, अमिताभ बच्चन ने यह खरीदी के लिए अयोध्या आने वाले पर्व का चयन किया था। उन्होंने पुराने यात्रियों से शुभकामनाएं ली और हमेशा अयोध्या के किनारे वाले छोरे का अनुभव करने की आशा जताई। इससे पहले भी अमिताभ बच्चन की अयोध्या में जमीन खरीदने की खबरें सामने आई थीं। उन्होंने रामनगरी में पिछले महीने भ्रमण किया था और वहां राम मंदिर में दर्शन किए थे।

चीन में पहली बार महंगाई दर 13 महीनों में शून्य से नीचे, अर्थव्यवस्था में मंदी

नई दिल्ली।

चीन की महंगाई दर (सीपीआई) 13 महीनों में पहली बार शून्य से नीचे चली गई। इससे पता चलता है कि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी जारी है और डिफ्लेशन यानी अपस्फीति का दबाव बना हुआ है। रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सालाना आधार पर 0.7 फीसदी घटा, जबकि जनवरी में यह 0.5 फीसदी की वृद्धि पर था। ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि सीपीआई में 0.4 फीसदी की गिरावट आएगी, लेकिन वास्तविक गिरावट अधिक रही है। कंज्यूमर इन्फलेशन का शून्य से नीचे जाना किसी भी देश के लिए शुभ संकेत नहीं है। अपस्फीति अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इससे उपभोक्ता खर्च में कमी, ऋण बोझ में वृद्धि और उच्च बेरोजगारी जैसी समस्ये याएं खड़ी हो जाती हैं। चीन ने 2025 के लिए महंगाई लक्ष्य 2 फीसदी तय किया है, जो पिछले 3 फीसदी लक्ष्य से कम है। यह दर्शाता है कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था डिफ्लेशन के दबाव से जूझ रही है। पिछले दो सालों से उपभोक्ता महंगाई दर सिर्फ 0.2 फीसदी बनी हुई है, जो अर्थव्यवस्था में मांग की भारी कमी को दिखाता है।

चीन में फैक्ट्री स्तर पर महंगाई भी लगातार 29वें महीने गिरावट में रही। हालांकि, प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (पीपीआई) की गिरावट जनवरी के -2.3 फीसदी से घटकर फरवरी में -2.2 फीसदी पर आ गई, जो दर्शाता है कि गिरावट की गति थोड़ी धीमी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गिरावट की बड़ी वजह पिछले साल का उच्च आधार प्रभाव हो सकता है। 2024 में लूनर न्यू ईयर फरवरी में था, जिससे उस समय खर्च और कीमतों में उछाल आया जबकि इस साल यह 28 जनवरी से 4 फरवरी के बीच आया, जिससे फरवरी के महंगाई आंकड़ों में गिरावट देखी गई। विश्लेषकों के मुताबिक चीन की महंगाई दर को लेकर मार्च में अधिक स्पष्टता मिलेगी क्योंकि निवेशक यह देखना चाहेंगे कि सरकार के प्रोत्साहन उपाय घरेलू मांग को कितना बढ़ा रहे हैं। कमजोर उपभोक्ता खर्च और रियल एस्टेट संकट की वजह से चीन 1960 के दशक के बाद सबसे लंबे समय तक कीमतों में गिरावट के दौर से गुजर रहा है।

इस महीने होली और अन्य त्योहारों की वजह से बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते होली और अन्य त्योहारों के चलते देश के कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जैसे यूपीआई, नेट बैंकिंग और एटीएम सेवाएं चालू रहेंगी, जिससे ग्राहक बिना रुकावट के लेनदेन कर सकेंगे। 13 मार्च गुरुवार को होलिका दहन और अट्टुकल पोंगाला की वजह से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और केरल में बैंक बंद रहेंगे, 14 मार्च शुक्रवार होली (धुलेटी/धुलैंडी/डोल जात्रा) के कारण ज्यादातर राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 15 मार्च शनिवार कुछ राज्यों में इस दिन होली मनाई जाएगी, इसलिए अगरतला, भुवनेश्वर, इंफाल और पटना में बैंक बंद रहेंगे। 16 मार्च रविवार साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 22 मार्च चौथा शनिवार और 23 मार्च रविवार वीकली हॉलिडे और बिहार दिवस, 27 मार्च गुरुवार शब-ए-कद्र (जम्मू में बैंक बंद) और 28 मार्च शुक्रवार को जुमात-उल-विदा (जम्मू-कश्मीर में) के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। वहीं 30 मार्च रविवार साप्ताहिक छुट्टी, 31 मार्च सोमवार रमजान-ईद (ईद-उल-फितर), अधिकतर राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

बर्ड फ्लू की खबर के बाद लोगों में दहशत, चिकन बिक्री में गिरावट की उम्मीद

- मटन का रेट हो जाएगा दोगुना

पटना ।

होली से पहले चिकन-मटन के शौकीन लोगों के लिए भारत में बड़ी खबर आई है। यहां मुर्गियों पर एक आफत मंडराने लगी है, जो कीमतों में उछाल ला सकती है। 27 फरवरी को अचानक से कई मुर्गियों की मौत की खबरें आने के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने बर्ड फ्लू की पुष्टि की है। आईसीएआर परिसर में मुर्गियों की मौत ने प्रशासन को सकते में डाल दिया था, जिसके बाद उन्होंने सभी मुर्गियों को जलाकर दफना दिया। पटना के अलावा, झारखंड के बोकारो जिले में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है. यहां के राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र में एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने एक किलोमीटर के दायरे में मौजूद सभी मुर्गियों को मारने का आदेश जारी कर दिया। ऐसे में चिकन के शौकीनों को खासतौर पर सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि संक्रमित मुर्गे के संपर्क में आने से वायरस इंसानों में भी फैल सकता है।

बर्ड फ्लू की खबर के बाद लोगों में दहशत है, और चिकन की बिक्री में भारी गिरावट आ सकती है। वहीं, चिकन के विकल्प के रूप में मटन की मांग तेजी से बढ़ने की संभावना है, जिससे इसकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिलेगा। फिलहाल, 700-800 रुपये प्रति किलो मिलने वाला मटन होली तक 1400-1600 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। बर्ड फ्लू से बचाव के लिए प्रशासन ने कच्चे और अधपके मांस से परहेज करने की सलाह दी है। चिकन और अंडे को अच्छी तरह से पकाकर ही खाने की हिदायत दी गई है, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण से बचा जा सके।

निवेशकों के लिए बड़ा मौका, इस सप्ताह आएंगे तीन आईपीओ

- नैप्स ग्लोबल की भी होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए इस हफ्ते कुछ खास हलचल की संभावना है, क्योंकि प्राइमरी मार्केट में दो नई कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं और एक कंपनी का लिस्टिंग होने वाली है। यह समय निवेशकों के लिए नए मौके लेकर आया है, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियां अपने शेयर पेश कर रही हैं। पहली कंपनी है पीडीपी शिपिंग एंड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, जो लॉजिस्टिक्स का कारोबार करती है और इसका आईपीओ 10 मार्च को खुलेगा। दूसरी कंपनी है सुपर आयरन फाउंड्री, जो लोहा और स्टील के कारोबार में है और इसका आईपीओ 11 मार्च को शुरू होगा। इसके अवसर पर निवेशकों को सलाह दी जा रही है वे अपडेट के लिए आईपीओ वॉच पोर्टल पर नजर रखें। साथ ही नैप्स ग्लोबल नाम की कंपनी का आईपीओ लिस्टिंग भी होने जा रही है, जिसका अलॉटमेंट पूरा हो चुका है और 11 मार्च को शेयर

बाजार में लिस्ट होगा। इस हफ्ते दो एसएमई आईपीओ भी निवेश के लिए उपलब्ध हैं, जो छोटे उद्यमों के लिए एक अहम मौका हो सकता है।

सेंसेक्स की शीर्ष सात कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 2.10 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,10,254.96 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 66,985.25 करोड़ रुपये बढ़कर 16,90,328.70 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 46,094.44 करोड़ रुपये बढ़कर 13,06,599.95 करोड़ रुपये रहा। बाजार मूल्यांकन में तेज उछाल के बाद टीसीएस एक बार फिर शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 39,714.56 करोड़ रुपये बढ़कर 6,53,951.53 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 35,276.3 करोड़ रुपये बढ़कर 9,30,269.97 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 11,425.77 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,05,293.34 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 7,939.13 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,57,743.03 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 2,819.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और उसका बाजार पूंजीकरण 5,17,802.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 31,832.92 करोड़ रुपये घटकर 12,92,578.39 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 8,535.74 रुपये घटकर 5,20,981.25 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 955.12 करोड़ रुपये घटकर 7,00,047.10 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

विदेशी बाजार में भाव बढ़ने से भारत में खाद्य तेलों के दाम सुधार

- सरसों दाने का थोक भाव 10 रुपये सुधार के साथ 6,260-6,360 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह विदेशी बाजारों में पाम और पामोलीन के दामों में वृद्धि देखी गई, जिससे भारत में खाद्य तेलों के दाम सुधार, सोयाबीन की बिक्री पर नेफेड की अटकल देखने को मिली। त्योहारी मांग के कारण होने वाले बंद होने के दाम सुधार से बाजार में व्याप्त माहौल देखा गया। नेफेड ने सोयाबीन की बिक्री के दाम में सुधार की अटकल चलाई, जिससे सोयाबीन के दाम में उत्तरदायित्वपूर्ण सुधार देखा गया। साथ ही, सरसों की आगामी मुंबई महानगरपालिका तक बेचने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग कर रहे राजस्थान के किसानों ने भी दबाव बनाया। होली के बाद सरकार की ओर से एमएसपी पर उसकी खरीद की संभावना भी देखी जा रही है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 10 रुपये सुधार के साथ 6,260-6,360 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 50 रुपये सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,370-2,470 रुपये और 2,370-2,495 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,225-4,275 रुपये और 3,925-3,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 50 रुपये, 100 रुपये और 25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 14,200 रुपये, 13,850 रुपये और 10,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 5,675-6,000 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 25 रुपये के सुधार के साथ 14,400 रुपये और 2,225-2,525 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये की तेजी के साथ 14,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 50 रुपये सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्लयूपीएल में आज मुंबई इंडियन्स का मुकाबला गुजरात जाइंट्स से होगा

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में सोमवार को मुंबई इंडियन्स का सामना गुजरात जाइंट्स से होगा। इसमें जीत हासिल कर मुम्बई की टीम डब्लयूपीएल अंक तालिका में नंबर एक स्थान हासिल करना चाहेगी। वहीं पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू इस बार प्लेफॉफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। इससे दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियन्स और गुजरात जाइंट्स का प्ले ऑफ में पहुंचना तय है पर अंक तालिका में कौन सी टीम कहां रहेगी ये अभी पता नहीं चला है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की मुंबई इंडियन्स को गुजरात के खिलाफ मुकाबले में घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वह इस मैच को जीतकर टीम अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल का प्रयास करेगी। लीग चरण के अंत में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम को सीधे फाइनल में प्रवेश मिलेगा। मुम्बई का लक्ष्य दिल्ली कैपिटल्स से आगे निकलना होगा। कैपिटल्स की टीम अभी 10 अंक और 0.396 के नेट रन रेट के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है।

तालिका में शीर्ष पर आने से मुंबई इंडियन्स की टीम को एलिमिनेटर मैच नहीं खेलना पड़ेगा। मुंबई की टीम अभी आठ अंक और 0.267 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है। टीम अगर सोमवार को गुजरात जाइंट्स और मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ अपने अंतिम दोनों मैच जीत लेती है तो 12 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

वहीं गुजरात के अभी आठ अंक हैं और उसका रन रेट 0.334 है इससे वह दूसरे स्थान पर हैं। गुजरा की टीम मुंबई इंडियन्स को हराने पर 10 अंक हासिल कर सकती है जिससे उसके अंक टीम दिल्ली कैपिटल्स के बराबर हो जाएंगे। ऐसी हालत में नेट रन रेट से तय होग कि अंक तालिका में किसी टीम का कौनसा स्थान मिलता है। वहीं दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम गुरुवार को एलिमिनेटर में उतरेगी जबकि फाइनल शनिवार को खेला जाएगा। मुंबई के लिए मुकाबला आसान नहीं होगा क्योंकि

जाइंट्स ने लगातार तीन बड़ी जीत दर्ज करके अंतिम तीन में जगह बनाई है। गुजरात के बल्लेबाज और गेंदबाज अभी लय में हैं। प्लेऑफ में पहली बार जगह बनाने से भी जाइंट्स की टीम उत्साहित है। उसने अपने शुरुआती चार मैच में से तीन हारने के बाद जोरदार वापसी की। दूसरी ओर मुंबई ने अब तक छह मैच में से चार जीते हैं जबकि दो में वह हारी है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अक्षिता माहेश्वरी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायोन, हेली मैथ्यूज, जिंतिमनी कलिता, कीर्तना बालाकृष्णन, नेदिन डि क्लर्क, नैट स्काइवर-ब्रंट, सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, जी कमालिनी, यस्तिका भाटिया, पारुणिका सिसोदिया, सेइका इशाक और शब्निम इस्माइल।

गुजरात जाइंट्स = एशले गार्डनर (कप्तान), लॉरा वोलवार्ट, भारती फुलमाली, फोबे लिचफील्ड, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन, डी हेमलता, डिएंड्रा डोटिन, हरलीन देओल, सयाली सतघरे, तनुजा कंवर, बेथ मूनी, केशवी गौतम, मन्नत कश्यप, मेघना सिंह, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा और शबनम शकील।

चैंपियंस ट्रॉफी : रचिन रविंद्र टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज रचिन रविंद्र रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रचिन ने खिताबी मुकाबले से पहले तीन मैचों में 226 रन बनाए थे, लेकिन उन्हें इंग्लैंड के बेन डकेट को शीर्ष स्थान से हटाने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी। इंग्लिश बल्लेबाज ने तीन मैचों में 227 रन बनाए जिसमें 165 रन का सर्वोच्च स्कोर भी शामिल है। दुर्भाग्य से इंग्लैंड के जल्दी बाहर होने के कारण वह टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी नहीं रख सके। दूसरी ओर रचिन ने फाइनल में 29 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 37 रन बनाए, लेकिन 11वें ओवर में कुलदीप यादव ने उन्हें आउट कर दिया। उन्होंने अपना अभियान 263 रनों के साथ समाप्त किया, जो भारत के विराट कोहली से 42 रन आगे है।

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज और विल यंग ने ब्लैककैप्स के कप्तान मिशेल सेंटनर द्वारा टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के बाद टीम को स्थिर शुरुआत दी। रचिन और यंग के बीच 57 रन की ओपनिंग साझेदारी टूर्नामेंट में पावरप्ले में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी थी। रचिन ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की और अपने पहले चैंपियंस ट्रॉफी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया। प्री-टूर्नामेंट त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान सिर में चोट लगने के कारण वे पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड के शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज के मुकाबले में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लाहौर में सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना दूसरा शतक बनाने से पहले छह रन बनाए। केन विलियमसन की 102 रनों की पारी के साथ 13 चौकों और एक छक्के की मदद से उनकी 108 रन की पारी ने न्यूजीलैंड को 50 ओवरों में 362/6 का विशाल स्कोर बनाने में मदद की। जवाब में न्यूजीलैंड ने प्रोटियाज को 312/9 पर रोक दिया और भारत के खिलाफ अंतिम मुकाबला तय किया। 217 रन के साथ कोहली टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। उनके पास भारत की पारी में रचिन के रिकॉर्ड को पार करने का मौका है। श्रेयस अय्यर (195 रन) और शुभमन गिल (157 रन) क्रमशः आठवें और 11वें स्थान पर मौजूद अन्य भारतीय हैं।

एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप का अभिष्य नहीं : मोईन अली

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली ने कहा है कि एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप भविष्य नहीं है। मोइन ने कहा कि इसका कारण बल्लेबाजों के पक्ष में नियमों का होना है। जिससे गेंदबाजों के लिए इस प्रारुप में कुछ नहीं बचा है। साथ ही कहा कि इसी कारण आजकल टी20 लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल संन्यास लेने वाले मोईन ने इंग्लैंड की ओर से 138 एकदिवसीय मैचों में 2,355 रन बनाने के अलावा 111 विकेट भी लिए हैं। वहीं 68 टेस्ट मैच में उन्होंने 3000 से अधिक रन बनाए हैं और 200 से अधिक विकेट लिए हैं। वह आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलेंगे। मोईन ने कहा, ''विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी को छोड़कर एकदिवसीय प्रारूप लगभग पूरी तरह समाप्त हो गया है। यह खेलने के लिए सबसे खराब प्रारूप है और मुझे लगता है कि इसके कई कारण हैं।'' पहले के समय में पहले पावरप्ले के बाद सर्कल के बाहर पांच क्षेत्ररक्षक हुआ करते थे पर पिछले कुछ साल में यह संख्या चार हो गई है जिससे बीच के ओवरों में बल्लेबाजी करना आसान हो गया है। इतना ही नहीं दो नई गेंदों का

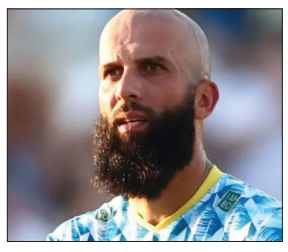

इस्तेमाल किया जाता है जो पहले नहीं होता था जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना अब बहुत आसान हो गया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि नियम बहुत खराब हैं। पहले पावरप्ले के बाद अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक रखना, मुझे लगता है कि विकेट लेने और किसी भी तरह का दबाव बनाने के लिए यह एक खराब नियम है। इसी वजह से अब खिलाड़ी एकदिवसीय क्रिकेट में 60 और 70 का औसत बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप किसी को गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आप थोड़ा दबाव डालते हैं तो बल्लेबाज बस रिवर्स-स्वीप करता है और यह एक रन नहीं बल्कि यह चौका होता है। हमेशा बल्लेबाजों के लिए रन बनाने का विकल्प उपलब्ध रहता है।'' मोईन ने कहा कि जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी क्रिकेट मोटी रकम देकर लुभा रहा है उससे अधिक से अधिक खिलाड़ी अब संन्यास लेकर इस प्रारुप में खेलते दिखेंगे।

गंभीर को लेकर क्या बोले शाहरुख

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान ने कहा है टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ उनकी गहरी दोस्ती है। इसलिए उन्हें कभी नहीं लगा कि वह टीम छोड़कर चले गये हैं। गंभीर साल 2017 में टीम छोड़कर चले गये थे पर इसके बाद उन्होंने कोच के तौर पर वापसी करते हुए 2024 में केकेआर को जीत दिलायी। तब श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। शाहरुख ने कहा, ÷मैंने इस बीच कभी नहीं सोचा था कि गंभीर हमें छोड़कर चले गए हैं। गंभीर के साथ वर्षों से हमेशा एक प्यारा रिश्ता रहा है। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके साथ दोस्ती मजबूत बनी हुई है और गौतम गंभीर उनमें से एक हैं। उनके लिए यह एक बड़ी घर वापसी थी।

गंभीर को साल 2024 के अंत में भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया और वह एक बार फिर केकेआर से अलग हो गये। वहीं केकेआर के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि साल 2017 में गंभीर के फ्रेंचाइज से जाने से टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ा। उसी दिशा पर भी प्रभाव पड़ा। आप हमेशा केकेआर से उच्च स्तर पर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं, और जब प्रदर्शन टीम के आभा से मेल

नहीं खाता, तो यह स्पष्ट हो गया कि कुछ बदलना होगा।

उथप्पा ने कहा, जैसे ही मैंने सुना कि गंभीर वापस आ रहे हैं, मुझे याद है कि मैंने ट्वीट किया था कि ये सबसे अच्छी बात यह है। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजय जडेजा ने कहा, ÷केकेआर और सौरव गांगुली के बीच संबंध, चाहे प्रशंसकों के साथ हों या टीम के भीतर, अच्छे परिणाम नहीं दे रहे थे। इसलिए, 2011 में, एक बड़े बदलाव की योजना बनाई गई। 2011 से पहले, केकेआर को सौरव गांगुली की टीम के रूप में देखा जाता था पर उसके बाद ये गंभीर के नेतृत्व में शाहरुख की टीम बन गई।÷ आईपीएल 2025 सत्र की शुरुआत से पहले, केकेआर ने अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को उप कप्तान नियुक्त किया है। केकेआर ने जब रहाणे को टीम में शामिल किया तो यह लगभग तय था कि वह टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि मेगा नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये में सबसे महंगे खरीदे गए वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह के नाम चर्चा में थे। रहाणे की कप्तानी में हाल ही में मुम्बई ने मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी।

भारतीय मूल की पूजा से शादी करने जा रहा पाक क्रिकेटर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रजा हसन अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की पूजा बोमन से शादी कर रहे हैं। रजा हसन ने सोशल मीडिया में कहा कि उनकी सगाई हो गयी है। रजा ने कहा कि मैंने अपने जीवन के प्यार से हमेशा के लिए मेरा होने के लिए कहा, और उसने हां कह दिया। आगे की हमारी यात्रा के लिए उत्साहित हूं। 32 वर्षीय क्रिकेटर ने यह भी दावा किया कि पूजा जल्द ही इस्लाम धर्म अपनाएगी। गौरतलब है कि रजा ने साल 2012 और 2014 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान के लिए अपना टी20 और एकदिवसीय डेब्यू किया था। रजा ने पा कके लिए एक एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। उन्होंने एकदिवसीय में एक विकेट जबकि टी20 में 10 विकेट लिए हैं। वह पाकिस्तान टीम में जगह नहीं बना पाए लेकिन वह विभिन्न लीग में जरूर हिस्सा ले रहे हैं। रजा से पहले भी कई पाक क्रिकेटरों ने भारतीय लड़कियों से शादी की है। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान ने अस्सी के दशक में भारतीय अभिनेत्री रीना रॉय से शादी की थी, हालांकि उनकी शादी 1990 में तलाक पर समाप्त हो गई। वहीं पाक क्रिकेटर शोएब मलिक ने साल 2010 में भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से शादी की थी पर ये शादी भी सफल नहीं रही और दोनो ने साल 2024 में तलाक ले लिया था। वहीं साल 2019 में पाकिस्तानी गेंदबाज हसन अली ने भारत की सामिया आरजू से शादी की थी।

आईसीसी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने यूनिलीवर से किया करार

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट के विकास और उसे आगे बढ़ाने के लिए 'रेक्सोना' और 'डव' सहित यूनिलीवर के ब्रांड के साथ दो साल का एक अनुबंध किया है। ये साल 2027 के अंत तक महिला क्रिकेट के लिए आईसीसी का पहला व्यावसायिक करार होगा। दुबई में एक एक कार्यक्रम के जरिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मौके पर हुई इस साझेदारी से महिला क्रिकेटरों को ही लाभ होगा। आईसीसी का मानना है कि ये भागीदारी खेल को और आगे ले जाएगी क्योंकि दोनो ही खेल को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे।

विलियमसन का विकेट गिरते ही विराट इतने खुश कि कुलदीप को चूमने तक गए

खेल डैस्क - दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल का पहला भाग भारतीय टीम के लिए बेहद खुशियां लेकर आया। कुलदीप यादव ने भारत को उस वक्त दो विकेट दिलाए जब न्यूजीलैंड मजबूत शुरूआत कर चुका था। अपने पहले ओवर में रचिन रवींद्र को आउट करने के बाद, कुलदीप ने अपने अगले ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का महत्वपूर्ण विकेट लिया। यह देखकर भारतीय स्टार विराट कोहली ने भी ऐसी प्रतिक्रिया दी जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। दरअसल, हुआ यूं कि न्यूजीलैंड की पारी का 13वां ओवर चल रहा था। कुलदीप की गेंद सतह पर अटककर आई। विलियमसन गेंद को मिड-ऑन की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे थे लेकिन तेज शॉट लगाने में चूक गए। गेंद बल्ले का किनारा लेकर सीधे निकल गई। कुलदीप ने आसान कैच लपका और विलियमसन को 11 रन पर पवेलियन लौटा दिया। विलियमसन की बड़ी विकेट गिरते ही विराट बेहद खुश नजर आए। वह कुलदीप की तरफ ऐसे लपके जैसे उन्हें गालों में चूम ही लेना हो।

2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतना चाहते हैं प्रवीण

विजयनगर (एजेंसी)। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल

आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है।

इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में ग्रुएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली । भारत इस साल 24 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें । यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था!

जयपुर में पांच आईपीएल मैचों के लिए तैयारियां जोरों पर

जयपुर (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के मुकाबले 22 मार्च से शुरु होने जा रहे हैं। इस बार जयपुर में भी पांच मुकाबले खेले जाएंगे। इन मैचों के लिए सवाई मानसिंह स्टेडियम में भी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में आईपीएल के लिए कार्यक्रम जारी किया था। इस कार्यक्रम के तहत ही 65 दिन में 74 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल को लेकर इस बार बीसीसीआई ने नए नियम भी जारी किये हैं। इनके अनुसार अब खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य और दोस्त ड्रेसिंग रूम में नहीं जा सकेंगे। ये नियम अभ्यास के दौरान भी लागू रहेगा। इसके साथ ही टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को टीम बस से ही यात्रा करनी होगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजियों को स्पष्ट रुप से आदेश दिया है कि परिवार के अलावा अभ्यास मैच के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ ही ड्रेसिंग रूम और खेल के मैदान पर जा सकेंगे, इन बातों के अलावा बीसीसीआई ने मैच के दिन के नियम भी नियम तय किए हैं जिसके अनुसार मैच के दौरान एलईडी बोर्ड्स के सामने बैठने की अनुमति नहीं होगी, खिलाड़ियों को ऑरेंज और पर्पल कैप पहननी होगी।

परिवार और दोस्त अलग वाहन से यात्रा करेंगे और हॉस्पिटैलिटी एरिया से अभ्यास देख सकते हैं, साथ ही मैच से पहले अभ्यास करने के लिए टीमों को 2 नेट्स और मुख्य मैदान पर 1 साइड विकेट मिलेगा, ओपन नेट्स की अनुमति नहीं रहेगी, इसके अलावा और भी अन्य नियम तय किए गए हैं जिनका खिलाड़ियों को पालन करना होगा.

जयपुर में आईपीएल को लेकर खेल परिषद और एडहॉक कमेटी के आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर विवाद चल रहा था जो अब खत्म हुआ हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने जयपुर में इस बार खेल परिषद को आईपीएल मैच करवाने की जिम्मेदारी दी है पर ये भी साफ किया है कि अंतिम बार स्पोर्ट्स कार्उंसिल को यह जिम्मेदारी दी गई है, अगले साल से ऐसा नहीं होगा। साथ ही चेताया है कि अगर क्रिकेट संघ में स्थिति नहीं सुधरती है तो अगले साल जयपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन नहीं होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में डेरिल मिचेल ने रचा कीर्तिमान, पोंटिंग और जयवर्धने के क्लब में की एंट्री

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने दुबई के मैदान पर मुश्किल हालात में भारत के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली। मिचेल ने 101 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें तीन चौके शामिल हैं। ये मिचेल के वनडे करियर का सातवां अर्धशतक है। उन्होंने फिफ्टी जड़कर कीर्तिमान रचा है। 3 वर्षीय खिलाड़ी ने रिकी पोंटिंग के एक स्पेशल क्लब में एंट्री कर ली है। मिचेल आईसीसी वनडे नॉकआउट में भारत के खिलाफ दो बार 50 प्लस पारी खेलने वाले पांचवें क्रिकेटर बन गए हैं।

मिचेल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, श्रीलंका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज महेला जयवर्धने, न्यूजीलैंड के धाकड़ क्रिकेटर केन विलियमसन और कंगारू बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भी बारत के खिलाफ दो-दो बार पचासा ठोका है। मिचेल ने 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के सामने शतक ठोका था। उन्होंने तब 119 गेंदों में 9 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए। भारत ने 397/4 का स्कोर खड़ा करने के बाद 70 रनों से सेमीफाइनल मैच जीता था। उस मैच में भारत के लिए विराट कोहली (117) और श्रेयस अय्यर (105) ने सेंचुरी लगाई थी।

वहीं पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत सधी हुई थी। विल यंग और रचिन रविंद्र ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 57 रन की साझेदारी हुई। वरुण चक्रवर्ती ने भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने यंग (15) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। रचिन रविंद्र 29 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। केन विलियमसन 14 गेंद में 11 रन ही बना पाए। टॉम लैथम ने 30 गेंद में 14 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन की पारी खेली। डेरिल मिचेल ने कीवी टीम के लिए सबसे ज्यादा 63 रन की पारी खेली। उन्हें शमी ने आउट किया। इसके बाद कप्तान मिचेल सैंटनर महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं माइकल ब्रेसवेल शतकीय पारी खेलकर नाबाद लौटे।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में युजी चहल के साथ दिखी मिस्ट्री गर्ल, कहीं ये 'वो' तो नहीं

खेल डैस्क । दुबई के मैदान पर जब चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं तो दर्शक दीर्घा में बैठे युजी चहल भी चर्चा में रहे। चहल जोकि टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, यह फाइनल मुकाबला देखने के लिए विशेष तौर पर पहुंचे थे। उनके साथ एक मिस्ट्री गर्ल को भी देखा गया। क्योंकि बीते दिनों ही युजी चहल की पत्नी धनश्री के साथ तलाक की खबरें बाहर आई थीं ऐसे में नई गर्ल के साथ दिखने पर चहल बड़ी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उक्त लड़की सफेद कलर के टॉप में थी जिसने आंखों पर काला चश्मा लगा रखा था। दोनों एक दूसरे के साथ नर्मी के साथ बात करते दिखे जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल हो गई।

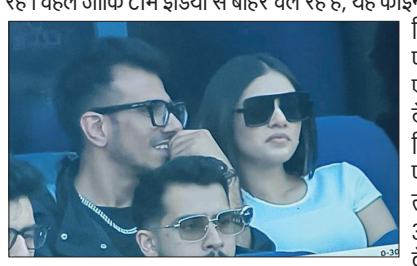

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

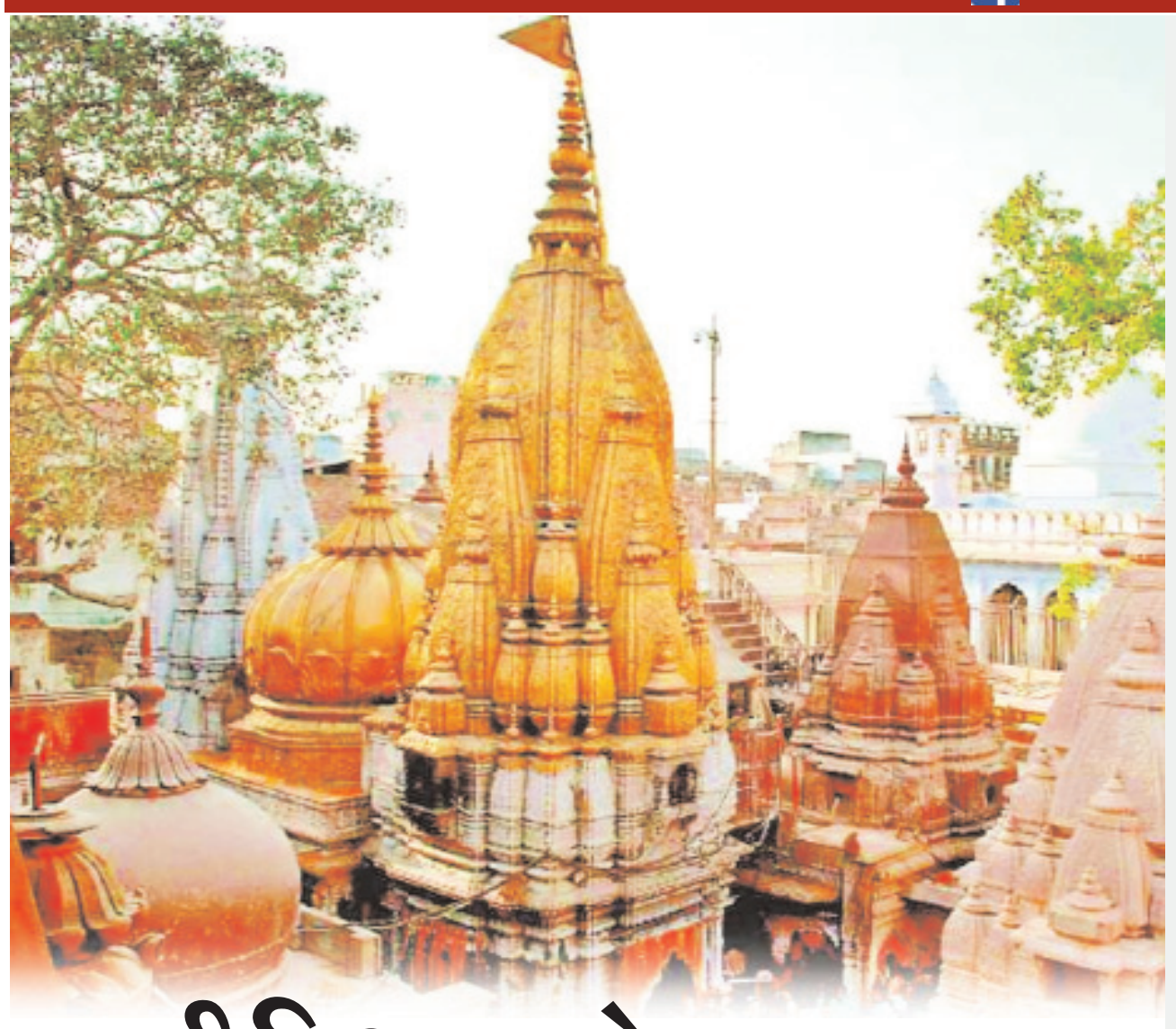

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजरायली पर्यटक रेप मामले में 02 आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ रेप मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। यहां बताते चलें कि यह घटना गुरुवार रात करीब 11:30 बजे तब हुई जबकि कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हम्पी के पास सनापुर झील आरोपियों ने 27 वर्षीय इजरायली महिला पर्यटक और 29 वर्षीय होमस्टे संचालिका के साथ दुष्कर्म किया था। इस वारदात के दौरान आरोपियों ने महिलाओं के साथ तीन पुरुषों की जमकर पिटाई भी की थी। मारपीट के बाद आरोपियों ने एक युवक को तुंगभद्रा नहर में फेंक दिया था, जिसका दो दिन बाद शव नहर से बरामद किया गया था। मृतक युवक ओडिशा का पर्यटक बताया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। इस मामले को गंगावती रूरल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। यहां हत्या की भी धाराएं जोड़ी गईं और जांच में मामले को लिया गया। पुलिस ने गहन जांच और छापामारी करते हुए दो आरोपियों मल्लेश उर्फ ??हांडी मल्ला (22 साल) और चेतन साई सिलेक्यातर (21 साल) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। दोनों ही आरोपी गंगावती के निवासी बताए गए हैं। एक अन्य संदिग्ध आरोपी अभी भी फरार चल रहा है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

कुकी संगठनों ने बुलाया अनिश्चितकालीन बंद, अतिरिक्त फोर्स तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट की शुरुआत के पहले ही दिन शनिवार को सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 40 लोग घायल हो गए। हिंसा के विरोध में कुकी-जो संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है। यहां रविवार सुबह कांगपोकपी जिले में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत बनी रही है। हालात पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की और गुलेल का भी इस्तेमाल किया। इस हिंसा में सुरक्षा बलों के 5 वाहनों के शीशे टूट गए।

झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत, कई घायल

झड़प के दौरान 16 प्रदर्शनकारी घायल हुए, जबकि एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। इसके बाद कुकी संगठनों ने अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान कर दिया। प्रशासन हालात को नियंत्रित करने के लिए लगातार सुरक्षा समीक्षा कर रहा है। फिलहाल, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त फोर्स अलर्ट पर है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कठुआ में हुई हत्याओं के मामले में पारदर्शी जांच के आदेश दिये

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कठुआ जिले में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में रविवार को विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए। वरुण सिंह (15), उसके चाचा योगेश सिंह (32) और मामा दर्शन सिंह (40) के शव शनिवार को जिले के मल्हार इलाके में ईशू नाले से बरामद किए गए थे। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे।

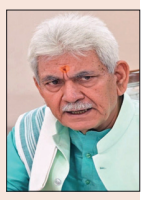

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि वह तीनों की नृशंस हत्या से स्तब्ध और दुखी हैं। सिन्हा ने कहा, ''मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। न्याय होगा और जवाबदेही तय की जाएगी।'' उन्होंने मृतकों के परिजनों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

गैस पाइपलाइन लीकेज से लगी भीषण आग, कार-रिक्शा और बाइक जल कर राख

मुंबई (एजेंसी)। मरोल इलाके से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गैस पाइपलाइन में लीकेज के कारण आग लग गई। इस आग में एक कार, रिक्शा और बाइक जलकर राख हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया। मामले में जानकारी देते हुए डीएफओ एसके सावंत ने बताया कि हमें रात करीब 12:30 बजे आग लगने की सूचना मिली। यह घटना उस स्थान पर हुई, जहां बीएमसी का काम चल रहा था। हमें पहले सूचना मिली है कि तीन लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है।

राम मंदिर और कुंभ पर हमले का मंसूबा : एक गलती की वजह से धराया आतंकी अब्दुल

फरीदाबाद (एजेंसी)। पाली में बांस रोड से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान अपनी एक गलती के कारण धरा गया। वो गलती ये थी कि उसने सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी वीडियो शेयर कर दिया। इसके बाद वो गुजरात एटीएस की नजर पर चढ़ गया। उसने अपने किसी जानकार को विदेश से आए भड़काऊ और कट्टरपंथी वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। अब्दुल को अयोध्या के राम मंदिर और कुंभ में हमले के लिए तैयार किया गया था। सूत्रों की मानें तो आरोपी ने फरवरी माह में इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) द्वारा भेजे एक वीडियो को सोशल मीडिया पर किसी को शेयर किया था। वह वीडियो कट्टरपंथी था। सोशल मीडिया पर नजर रख रही एटीएस की टीम वीडियो की जानकारी मिलते ही सतर्क हो गई। इसके बाद टीम की ओर से जानकारी जुटाई गई तो अब्दुल रहमान का लोकेशन फरीदाबाद में मिला। इसके बाद 28 फरवरी को एटीएस गुजरात की टीम ने पलवल एसटीएफ को जानकारी दी और दो मार्च को दूसरी जानकारी पर अब्दुल रहमान को दो जिंदा हैंड ग्रेनेड और डोटेनेटर के साथ पाली के बांस रोड से गिरफ्तार किया गया।

गंगा की सफाई पर राज ठाकरे ने उठाए सवाल, पूछा- कौन जाकर उसमें पवित्र डुबकी लगाएगा?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा नदी की स्वच्छता और उसके पानी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने साफ कहा कि वे नदी में पवित्र डुबकी नहीं लगाएंगे। ठाकरे ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के 19वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में की। उन्होंने लोगों से अंधविश्वास से बाहर आने और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करने की अपील की।

ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से पवित्र जल लेकर आए थे, लेकिन उन्होंने इसे पीने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'बाला नंदगांवकर मेरे लिए थोड़ा पानी लेकर आए थे, मैंने कहा, चले जाओ। मैं नहाने नहीं जा रहा हूं। वह पानी कौन पीएगा? कोविड अभी-अभी गुजरा है और लोग दो साल से चेहरे पर मास्क लगाकर घूम रहे थे। अब वे

वहां जाकर स्नान कर रहे हैं। कौन जाकर उस गंगा में पवित्र डुबकी लगाएगा?'

इशारों-इशारों में ठाकरे ने यह भी कहा कि उन्होंने लोगों के शरीर को रगड़ते और गंगा में स्नान करते हुए वीडियो देखे हैं। उन्होंने कहा कि देश की हर नदी प्रदूषित है, जबकि विदेशों में ऐसी नदियां साल भर साफ रहती हैं। मनसे प्रमुख ने कहा, 'आस्था का भी कुछ मतलब होना चाहिए। देश में एक भी नदी साफ नहीं है, लेकिन हम उसे मां कहते हैं। विदेशों में नदी को मां नहीं कहा जाता, लेकिन वह पूरी तरह साफ रहती है और हमारी सभी नदियां प्रदूषित हैं। कोई उसमें नहा रहा है या कपड़े धो रहा है।'

मनसे प्रमुख ने कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से सुनते आ रहे हैं कि गंगा नदी साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। लोगों को इस आस्था और अंधविश्वास से बाहर आना चाहिए और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिए।'

ठाकरे की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब विपक्षी दल उत्तर प्रदेश सरकार की इस बात के लिए आलोचना कर रहे हैं कि कुंभ का पानी नहाने लायक नहीं है। हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज में संगम का पानी डुबकी लगाने और आचमन करने लायक है।

महिलाओं को पुरुषों के बराबर का हक मोदी सरकार में मिला : शाही

देवरिया। बीजेपी जिला कार्यालय पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इस देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार मोदी सरकार में मिला है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी पीएम के साथ खड़ी है। महिला दिवस सिर्फ एक दिवस नहीं है। कभी घर में चूल्हा चौका करने वाली महिलाएं अब चांद पर जा रही हैं। बेटियों को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए और समाज को एक दिशा देनी चाहिए। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि इस सृष्टि में महिलाओं से ऊपर कोई नहीं। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि आज का दिन महिलाओं की क्रांति का दिन है। संयोजक राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि महिलाओं से ही सृष्टि की रचना हुई है। कार्यक्रम को जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि, बरहज नगर पालिका अध्यक्ष स्वेता जायसवाल, रुद्रपुर नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम, बैतालपुर चेयरमैन सरिता पासवान, महिला मोर्चा कि अध्यक्ष भारती शर्मा अर्चना पांडे ने सम्बोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह व संचालन अभिषेक राय ने की। इस दौरान निर्मला, रमेश वर्मा, अकुर राय, अजय पांडेय, राजेश निषाद, दिनेश शुक्ल, मन्ना सिंह, संतोष मिश्रा, गोविन्द चौरसिया, श्याम जयसवाल, दीपक श्रीवास्तव, बृजेन्द्र कुशवाहा आदि मौजूद थे।

यूट्यूब की सख्ती: तीन महीने में 95 लाख से ज्यादा वीडियो किए डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूट्यूब ने अपनी सख्त कंटेंट नीतियों के तहत कार्रवाई करते हुए अक्टूबर से दिसंबर यानी तीन महीने के बीच लगभग 9.5 मिलियन वीडियो अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिए। यूट्यूब, जो कि सख्त कंटेंट पॉलिसी के लिए जाना जाता है। हेट स्पीच, हिंसा और गलत जानकारी फैलाने वाले वीडियो पर प्रतिबंध लगाया है। दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यूट्यूब एआई-पावर्ड डिटेक्शन सिस्टम और ह्यूमन मॉडरेटर्स का उपयोग करता है, जिससे हानिकारक सामग्री को बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने से पहले ही हटा दिया जाता है।

यूट्यूब ने यह कार्रवाई अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस के उल्लंघन के कारण की है। इन हटाए गए वीडियो अब भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है। जहां से लगभग 3 मिलियन वीडियो डिलीट किए गए। यूट्यूब ने 2023 की आखिरी तिमाही में 95 लाख से ज्यादा वीडियो डिलीट किए हैं। इनमें सबसे ज्यादा वीडियो भारत से हटाए गए हैं। यूट्यूब द्वारा हटाए गए वीडियो में सबसे बड़ी संख्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े उल्लंघनों की थी। आंकड़ों के अनुसार, 5 मिलियन से अधिक वीडियो ऐसे थे जो बच्चों के लिए हानिकारक माने गए। इसके अलावा, अन्य प्रमुख कारण जिनकी वजह से वीडियो हटाए गए, उनमें हानिकारक या खतरनाक कंटेंट, उत्पीड़न, हिंसक सामग्री, स्पैम और भ्रामक जानकारी, फर्जी चैनलों और कमेंट्स को हटाना शामिल हैं। यूट्यूब ने केवल वीडियो ही नहीं, बल्कि 4.8 मिलियन चैनल भी डिलीट किए। इनमें ज्यादातर चैनल स्पैम और धोखाधड़ी फैलाने के लिए बनाए गए थे। जब किसी चैनल को हटाया जाता है। तो उसके सभी वीडियो भी प्लेटफॉर्म से गायब हो जाते हैं। इस बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के तहत 54 मिलियन (5.4 करोड़) से अधिक वीडियो यूट्यूब से हटा दिए गए। यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म से 1.2 बिलियन कमेंट्स हटाए, जिनमें से ज्यादातर स्पैम थे। कुछ कमेंट्स उत्पीड़न, हेट स्पीच (घृणास्पद भाषा) या धमकियों के कारण डिलीट किए गए। यूट्यूब लगातार अपने कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम को सुधार रहा है ताकि अनुचित और भ्रामक सामग्री प्लेटफॉर्म पर न फैले।

सिर्फ कांग्रेस में नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी हैं बी टीम, राहुल के बयान पर बोले संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा गुजरात में दिए गए बी-टीम वाले बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ए टीम और बी टीम सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि बाकी पार्टियों में भी होती हैं।

संजय राउत ने कहा, कि जो लोग पार्टी में बैठकर अंदरखाने बीजेपी से मिले रहते हैं, वे सिर्फ कांग्रेस में ही नहीं, बल्कि अन्य पार्टियों में भी मौजूद हैं। अगर राहुल गांधी ने ऐसे लोगों को बाहर करने का फैसला लिया है, तो मैं इसका स्वागत करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग पार्टी में रहते हुए चुपचाप गद्दारी करते हैं, जिन्हें नमक हराम कहा जाता है। उन्होंने शिवसेना का उदाहरण देते हुए कहा, हमारे यहां एकनाथ शिंदे और उनके 40 लोग दो साल तक बीजेपी का एजेंडा चलाते रहे और फिर खुलेआम चले गए। उन्होंने कहा कि यह तो अच्छा ही हुआ, क्योंकि अब हम अपने ही घर में आजाद हो गए हैं। संजय राउत ने कहा कि पार्टी के भीतर रहकर धोखा देना उसी तरह है जैसे कोई देश में रहते हुए

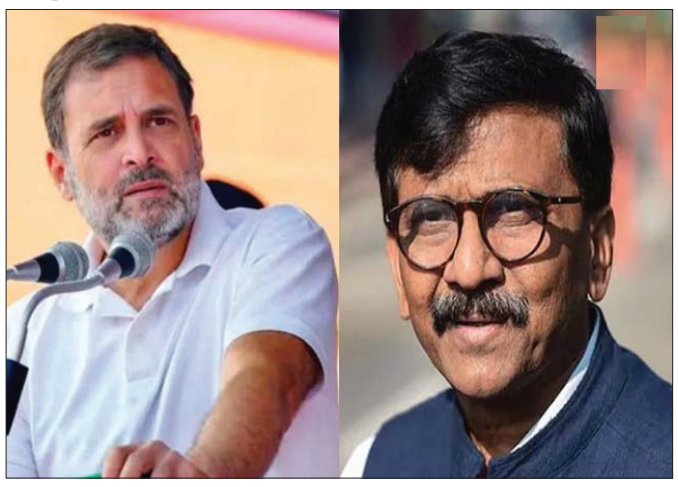

किसी विदेशी ताकत के लिए काम करता है। उन्होंने आरएसएस के प्रदीप कुरुलकर का उदाहरण दिया और कहा, कि जो डीआरडीओ में रहकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहा था, ऐसे लोग हर जगह होते हैं।

आखिर क्या कहा था राहुल गांधी ने

दरअसल शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद में राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा, मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं और मैं स्टेज से कहना चाहता हूं कि गुजरात को कांग्रेस पार्टी सही दिशा नहीं दिखा पा रही है। उन्होंने कांग्रेस के भीतर दो तरह के लोगों का जिक्र करते हुए कहा, पहले वो जो जनता के साथ खड़े हैं और जिनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। दूसरे वो जो जनता से कटे हुए हैं और जिनमें से आधे बीजेपी से मिले हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा, जब तक इन दोनों समूहों को अलग नहीं किया जाता, तब तक गुजरात की जनता कांग्रेस पर विश्वास नहीं कर सकती। गुजरात की जनता विकल्प चाहती है, बी-टीम नहीं चाहती। हमारी जिम्मेदारी इन दो ग्रुप्स को छांटने की है। हमारे पास बब्बर शेर हैं, लेकिन उनके पीछे से चेन लगी हुई है। सब पीछे से बंधे हुए हैं।

राहुल गांधी के इस बयान पर कांग्रेस ही नहीं अन्य पार्टियों में भी राजनीतिक चर्चा आम हो गई है। संजय राउत ने उनके बयान और फैसले को सही बताया है और कहा कि यह कदम कांग्रेस और अन्य पार्टियों में स्वच्छ राजनीति को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोध को सत्ता समर्थन में बदला: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है।

नड्डा ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पिछले तीन लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के पक्ष में बढ़ते मत प्रतिशत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'अब मोदी ने सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। सत्ता समर्थक भावना का मतलब है कि लोग खुश हैं और चाहते हैं कि मोदी बार-बार जीतें।' नड्डा ने कहा, 'भाजपा को 2014 लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ वोट (31.30 प्रतिशत) मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 22 करोड़

(36.7 प्रतिशत) हो गये। पिछले लोकसभा चुनाव (2024) में यह आंकड़ा करीब 24 करोड़ वोट (37 प्रतिशत) था। लोग हर बार मोदी जी को अधिक मतों से आशीर्वाद दे रहे हैं।' भाजपा प्रमुख यहां स्वामी विवेकानंद मैदान में राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की तुलना में मोदी काल में कर हस्तांतरण में पांच गुना वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा, 'संप्रग सरकार के दौरान त्रिपुरा को कर के रूप में 9,000 करोड़ रुपये मिलते थे जो बढ़कर 46,500 करोड़ रुपये हो गए हैं। इसी तरह, अनुदान सहायता जो संप्रग सरकार के समय 31,000 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपये हो गई है।' नड्डा ने अगले दो वर्षों में त्रिपुरा के चार रेलवे स्टेशनों अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर और कुमारघाट के आधुनिकीकरण की भी घोषणा की। उन्होंने प्रशासन में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नीत सरकार की सराहना की। नड्डा ने कहा, 'त्रिपुरा ने डिजिटलीकरण को अपनाया है और 29 लाख सरकारी फाइलों का डिजिटलीकरण किया गया है।

महाराष्ट्र में जीबी सिंड्रोम के 225 मामले आए सामने, 12 की हुई मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलैन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का पहला मामला 9 जनवरी 2025 को सामने आया था। इसके बाद से अब तक 225 संदिग्ध मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 197 मामलों की जीबीएस के रूप में पुष्टि हुई है। 179 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 24 का अभी भी इलाज जारी है। इनमें से 15 मरीज वेंटिलेटर पर बताए गए हैं। अब तक इस बीमारी से कुल 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 6 की मौत का कारण जीबीएस की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य 6 मौतें संदिग्ध मानी जा रही हैं। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि ये सभी मामले मुख्य रूप से पुणे नगर निगम, पुणे निगम के ग्रामीण क्षेत्र, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ग्रामीण और अन्य जिलों से सामने आए हैं। प्रशासन ने अब तक 7262 पानी के नमूने केमिकल और बायोलॉजिकल परीक्षण के लिए लैब में भेजे हैं, जिनमें से 144 जल स्रोतों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों के 89,699 घरों में सर्वेक्षण किया, जिसमें पुणे नगर निगम क्षेत्र के 46,534, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के 29,209 और पुणे ग्रामीण क्षेत्र के 13,956 घर शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निजी क्लीनिकों को भी एडवाइजरी जारी की है। इसमें निजी क्लीनिकों से कहा गया है कि यदि कोई जीबीएस का मामला सामने आता है, तो तुरंत प्रशासन को सूचित किया जाए।

महंगे इलाज से मरीज परेशान

जीबीएस को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसमें यह भी बताया गया है कि इसका इलाज महंगा है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों को आमतौर पर इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन की जरूरत होती है, जिसकी एक खुराक की कीमत लगभग 20 हजार रुपये बताई जाती है। ऐसे में इलाज का खर्च लाखों में चला जाता है, जो सबसे बड़ी परेशानी का सबब है।

डॉक्टरों का कहना है कि जीबीएस से प्रभावित 80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से छुट्टी के छह महीने के भीतर बिना किसी सहारे के चलने-फिरने लगते हैं। हालांकि, कुछ गंभीर मामलों में मरीज को पूरी तरह ठीक होने में एक साल या उससे अधिक समय लग सकता है।

सरकार की तैयारी और सतर्कता

स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इनमें जल स्रोतों की सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जीबीएस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली नसों पर हमला करती है, जिससे कमजोरी और लकवे जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, समय पर इलाज और सतर्कता बेहद जरूरी है।

600 करोड़ का खुलासा: दिल्ली-नोएडा में हुई छापेमारी के दौरान 50 करोड़ नगद और सोना भी मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनकुबेरों के यहां बेशुमार दौलत है। कई बार छापेमारी में अटूट दौलत का खुलासा हो चुका है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में काउंटी ग्रुप और उससे जुड़ी कंपनियों के ठिकानों पर शनिवार को देर रात तक चौथे दिन भी आयकर विभाग की जांच जारी रही। इस दौरान 50 करोड़ से अधिक की बरामदगी हो चुकी है, जिसमें कैश और सोना-चांदी शामिल है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, फ्लैटों की बिक्री में 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि नकद में लेने के पुख्ता सबूत मिले हैं।

आयकर विभाग के दिल्ली, नोएडा समेत अन्य स्थानों के अधिकारियों की टीम मामले में जांच कर रही है। काउंटी ग्रुप और उससे जुड़े लोगों के बैंक खाते, लैपटॉप से मिले रिकॉर्ड और अन्य कागजात जब्त किए गए हैं। विभाग के सूत्रों का कहना है कि तमाम बिल्डर फ्लैट की बड़ी रकम नगद में लेते हैं। वह आयकर की चोरी कर सरकार को करोड़ों का आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। काउंटी ग्रुप के एक फ्लैट की कीमत औसतन 20 से 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जो काफी अधिक है। जांच में कोलकाता में चार से पांच शेल कंपनियों का खुलासा हुआ है। टीमें दस्तावेज खंगाल रही है। इन कंपनियों के जरिए मोटी रकम को घुमाया गया। बरामद की गई दस करोड़ रुपये राशि में सबसे अधिक तीन करोड़ रुपये काउंटी ग्रुप के चैनल पार्टनर इंदिरापुरम गाजियाबाद स्थित अग्रवाल होम्स से बरामद हुए हैं। ज्यादातर रकम अलग-अलग स्थानों पर बनाई गई तिजोरियों में रखी गई थी। सूत्रों के अनुसार सोमवार तक जांच खत्म होने की संभावना है।

भारत में घुसे अवैध श्रीलंका के घुसपैठिए, कर्नाटक-तमिलनाडु में बसा रहे तस्कर

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों को श्रीलंका से भारत में घुसपैठ के सबूत मिले हैं। एजेंसियों ने मानव तस्करी करने वाले गिरोह के फोन कॉल इंटरसेप्ट कर गिरफ्तारी भी की है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और तमिलनाडु एटीएस की जांच में पता चला है कि पिछले छह महीने में तीन हजार से ज्यादा श्रीलंकाई अवैध रूप से भारत आए। श्रीलंका के लोगों को दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु में बसाया जा रहा है। मानव तस्करी रैकेट के सरगना से पूछताछ में पता चला कि कुछ मामलों में भारत को डंकी रूट बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के लोगों को फर्जी पहचान देकर कनाडा भेजा जा रहा है। मानव तस्करी के इस सिंडिकेट को श्रीलंका से इमरान हज्जियार चला रहा है। भारत में इस मानव तस्करी के गैंग के सरगना मोहम्मद इब्राहिम को 28 फरवरी को गिरफ्तार किया जा चुका है। श्रीलंका से तस्कर इन लोगों को मछुआरों की नावों में तमिलनाडु के थुथुकुड़ी के मंडपम लाते हैं। यहां कुछ दूर एक वेयर हाउस ले जाया जाता है।

जिस ब्रिटेन ने भारत पर राज किया आज वो उसी से मदद की गुहार लगा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी भारत पर राज करने वाला ब्रिटेन आज भारत की आर्थिक ताकत के सामने नतमस्तक होता दिख रहा है। दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक केंद्रों में शुमार लंदन अब अपनी तरक्की के लिए भारतीय निवेश, टैलेंट और नवाचार पर निर्भर होता जा रहा है। हाल ही में लंदन के मेयर सादिक खान ने 'ग्रोथ प्लान' नाम की एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया, जिसमें भारत को विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत बताया गया। लंदन ने इस ग्रोथ प्लान के तहत अगले दशक में अपनी अर्थव्यवस्था को 107 अरब पाउंड बड़ा करने और सार्वजनिक सेवाओं के लिए 27 अरब पाउंड अतिरिक्त टैक्स जुटाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि इस सपने को हकीकत में बदलने में सबसे बड़ा योगदान भारतीय निवेश और कुशल पेशेवरों का होगा।

भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियां भी अब लंदन को अपना दूसरा घर बना रही हैं। भारत की प्रमुख आईटी कंपनी एमफेसिस ने हाल ही में लंदन में इनोवेशन हब स्थापित किया, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम किया जा रहा है। एमफेसिस के यूरोप प्रमुख आशीष देवलकर ने कहा, हमने लंदन में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई है और अब हमारी योजना यहां कार्यबल को दोगुना करने की है। ब्रिटेन, जिसने कभी भारत को एक उपनिवेश की तरह देखा था, आज भारतीय प्रतिभा, निवेश और नवाचार के बिना खुद को कमजोर महसूस कर रहा है। 2023-24 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 38,625 भारतीय छात्र लंदन में पढ़ाई कर रहे हैं, जो एक दशक पहले की तुलना में चार गुना अधिक है। लंदन हायर एजुकेशन नेटवर्क के अध्यक्ष मार्क हर्टलिन ने कहा, 'भारतीय छात्र अब लंदन में पढ़ने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों का 20 प्रतिशत हिस्सा बन चुके हैं। वे हमारे शहर के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं और दोनों देशों के बीच मजबूत पुल बना रहे हैं।

लंदन एंड पार्टनर्स की सीईओ लॉरा सिट्रोन ने कहा, भारत से आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सबसे तेजी से बढ़ रहा है और पिछले दो वर्षों से यह हमारा नंबर एक स्रोत बना हुआ है। इसका सीधा मतलब है कि भारतीय टेक कंपनियां अब लंदन में अपनी जड़ें जमा रही हैं और इस शहर के आर्थिक पुनरुद्धार में अहम भूमिका निभा रही हैं। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों और पर्यटकों ने भी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में एक नया जोश भर दिया है। ब्रेक्सिट के बाद भारतीय छात्र बड़ी संख्या में लंदन की ओर रुख कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में हिंदू मंदिर में तोडफ़ोड़

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में चिनो हिल्स में मौजूद एक हिंदू मंदिर में तोडफ़ोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। अमेरिकी हिंदु संगठन ने इस घटना की निंदा की और कहा कि घटना लॉस एंजेलिस में होने वाले कथित खालिस्तानी जनमत संग्रह से कुछ दिन पहले हुई। पिछले साल भी अमेरिका में हिंदू मंदिरों में तोडफ़ोड़ की घटनाएं सामने आई थीं। कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में श्री स्वामीनारायण मंदिर में 25 सितंबर को इसी तरह की घटना हुई थी।

रूसी आर्मी ने यूक्रेनी सेना पर किया टारगेट अटैक

-गैस पाइपलाइन में 15किमी चली रुसी सेना, कुर्स्क इलाके में लड़ाई जारी

मॉस्को। यूक्रेनी सेना ने पिछले साल अगस्त में रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला कर लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर लिया था। तब से रूसी सेना लगातार यूक्रेन को इस क्षेत्र से खदेड़ने के लिए संघर्ष कर रही है। रविवार को रूस की स्पेशल फोर्स ने कुर्स्क में यूक्रेनी सेना पर हमला करने के लिए करीब 15 किलोमीटर एक गैस पाइपलाइन के अंदर पैदल चलने का कठिन सफर तय किया। रूस के एक वॉर ब्लॉगर ने दावा किया है, कि रूसी स्पेशल फोर्स ने गैस पाइपलाइन के अंदर 15 किमी तक पैदल चलकर कुर्स्क के सुद्झा के पास यूक्रेनी सेना पर टारगेट अटैक किया। सुद्झा में एक बड़ा गैस ट्रांसफर स्टेशन स्थित है, जिसके जरिए रूस की नेचुरल गैस यूरोप तक पहुंचाई जाती है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रूस में घुसपैठ

युद्ध के जानकारों का कहना है कि सुद्झा में रातभर से लड़ाई जारी है, जो अब भी रुकी नहीं है। वहीं, एक अन्य वॉर ब्लॉगर यूरी कोटेनोक के मुताबिक, यूक्रेनी सेना इस इलाके से अपने सैन्य उपकरण हटाकर बॉर्डर के नजदीक ले जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जबकि किसी देश ने रूस की सीमा में इतनी गहरी घुसपैठ की है। हाल के महीनों में रूसी सेना ने कुर्स्क फ्रंट पर यूक्रेनी सेना को काफी पीछे धकेल दिया है।

यूक्रेनी राज्यों में रूसी नियंत्रण

युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 20प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही यूक्रेन के चार पूर्वी प्रांत—डोनेट्स्क, लुहांस्क, जापोरिज्जिया और खेरसॉन—को रूस में शामिल करने की घोषणा कर चुके हैं। इस बीच, रूस के कुर्स्क इलाके में दोनों सेनाओं के बीच संघर्ष जारी है।

पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के 45 लोगों पर मामला दर्ज

करांची। पाकिस्तान पुलिस ने अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के 45 से ज्यादा सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मीडिया रिपोर्ट में करांची पुलिस ने कहा कि उसने 25 अहमदिया लोगों को हिरासत में ले लिया है, क्योंकि बड़ी संख्या में कट्टरपंथी मुस्लिमों ने सुरजानी टाउन क्षेत्र में उनके इबादत स्थल को घेर लिया और शुक्रवार की नमाज अदा करने पर उनके खिलाफ नारे लगाए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कई कार्यकर्ता अहमदिया इबादत स्थल के बाहर एकत्र हुए और उन्हें धमकी दी कि वे नमाज अदा करना बंद कर दें, क्योंकि यह केवल मुसलमानों के लिए है।

पीएम शरीफ का दावा कैसे होगा पूरा, पाकिस्तान में 1.6 करोड़ हैं बेरोजगार युवा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल ही में दावा किया कि उनका देश जल्द ही विकास के मामले में भारत को पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो मैं अपना नाम बदल दूंगा। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे उलट है। पाकिस्तान में 1.6 करोड़ से ज्यादा युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं और न ही नौकरी। बढ़ती बेरोजगारी और कमजोर अर्थव्यवस्था के कारण देश गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 31 फीसदी युवा बेरोजगार हैं, जिनमें 51 फीसदी महिलाएं और 16 फीसदी पुरुष शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इंजीनियरिंग की डिग्री वाले 23.5 फीसदी युवा और स्नातक डिग्री धारक 16.1 फीसदी युवा भी बेरोजगार हैं। पाकिस्तान में 6.9 फीसदी की बेरोजगारी दर चिंता का विषय है। महंगाई, विदेशी कर्ज, और औद्योगिक विकास की कमी के चलते पाकिस्तान लगातार कर्ज लेने पर मजबूर है, लेकिन आर्थिक हालात नहीं सुधर रहे। 2023 में पाकिस्तान की बेरोजगारी दर 5.50 फीसदी थी, जो 2022 के 5.55 फीसदी से थोड़ी कम थी। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान भारत से मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। क्या प्रधानमंत्री का दावा हकीकत बनेगा या महज एक बयान साबित होगा? यह देखना दिलचस्प होगा।

जयशंकर के आंकड़े वाले बयान पर हॉल में जमकर लगे ठहाके

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों ब्रिटेन के दौरे पर हैं। यहां मैनचेस्टर में उन्होंने शनिवार को नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय समुदाय और व्यापार क्षेत्र से जुड़े लोगों से बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया कि पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, मैं आपसे यह भी आग्रह करूंगा कि इस वाणिज्य दूतावास को वास्तव में उस युग की तैयारी के रूप में सोचें। हम स्पष्ट रूप से आने वाले समय में संबंधों में बहुत बड़ी उछाल की उम्मीद कर रहे हैंज्मेरा अनुभव यह है कि जब भी मैं कोई आंकड़ा लेकर आता हूं, तो कोई मुझे बड़ी संख्या के साथ सही कर देता है। इसलिए मैं समुदाय के आकार के लिए एक संख्या के साथ यहां आया था, लेकिन आपसे सुनने के बाद, मैंने इसे अपने पास रखने का फैसला किया।

ट्रंप का साथ छूटने से घबराए यूरोपीय देश कर रहे जंग की तैयारी, जनता को थमा रहे हथियार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस के बाद यूरोपीय देश टेंशन में आ गए हैं। उन्हे लग रहा है कि अमेरिका ने उनका साथ छोड़ दिया है। इसके बाद से ही सभी देश जंग की तैयारियों में जुटे दिखाई दे रहे है। वे अपनी जनता को हथियार दे रहे और उन्हे उसका प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। अब तक अमेर?किा यूरोप के देशों की रक्षा में हमेशा खड़ा रहता था। उसके फाइटर जेट्स, आर्मी हर पल उनकी सिक?योरिटी में लगे रहते थे। लेकिन जब से ट्रंप ने कह दिया है कि अब वे एक रुपया भी इन पर नहीं खर्च करने वाले, तब से यूरोपीय देश खौफ में आ गए हैं। यूरोपीय यूनियन के नेताओं ने इमरजेंसी मीटिंग की है। इसमें डिफेंस बजट तुरंत बढ़ाने का ऐलान किया गया है। इसके अलावा पोलैंड अपने सभी लोगों को हथियारों की ट्रेनिंग देने जा रहा है। कुछ ऐसा ही ए?लान फ्रांस और जर्मनी का भी है। ब्रिटेन के आर्मी चीफ पहले से कहते आ रहे हैं कि हमें सबको आर्म्स ट्रेनिंग देनी होगी, कि अगर कोई अटैक हो तो उसका मुकाबला किया जा सके।पोलेंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने संसद में कहा कि पोलैंड में सभी पुरुषों को आर्मी ट्रेनिंग देने जा रहे हैं। हम पोलिश सेना का आकार वर्तमान 200,000 से बढ़ाकर 500,000 करना चाहते हैं। महिलाएं भी ट्रेनिं ले सकती हैं। पोलैंड अपना डिफेंस बजट 5 प्रतिशत तक बढ़ाएगा।

यूरोपीय यूनियन के 27 देशों ने मिलकर 800 बिलियन यूरो का एक?स?ट्रा डिफेंस बजट मंजूर किया है। इनमें 150 बिलियन यूरो से नए हथियार और गोला बारूद खरीदा जाएगा। फ्रांस, जर्मनी से लेकर ब्रिटेन तक अभी डिफेंस इंडस?ट्री में जान फूंकने का ऐलान कर चुके हैं। उ?हें ज?यादा गोला-बारूद बनाने का आदेश दिया जा चुका है। हंगरी ने अपना डिफेंस बजट अचानक बढ़ा दिया है।जर्मनी अपनी रक्षा के लिए सैकड़ों अरब यूरो इ?वेस?ट करने जा रहा है। जर्मनी का रक्षा बजट दोगुना होकर 100 बिलियन यूरो तक जा सकता है। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा-हम डिफेंस सेक?टर के लिए बैंकों से मिलने वाले कर्ज को आसान बनाने जा रहे हैं। हम चाहते हैं किए ज?यादा से ज?यादा हथियार बनाए जाएं, अपने लोगों को सेना की ट्रेनिंग दी जाए।

फ्रांस के रा?ट्रपति इमैनुअल मैक्रों डिफेंस बजट को जीडीपी के 3-3.5 प्रतिशत तक बढ़ाने जा रहे हैं। अभी फ्रांस का रक्षा बजट जीडीपी का 2 प्रतिशत है। फ्रांस पहले से ही नई मुहिम के तहत 2030 तक सैन्य खर्च में प्रतिवर्ष 3 बिलियन यूरो (3.15 बिलियन डॉलर) की वृद्धि कर रहा है। नए हथियार और युद्धक उपकरण खरीदने की तैयारी है।

नासा की ड्रिलिंग मशीन, देखते ही देखते छेद डाला चांद का सीना

नई दिल्ली। नासा की नई ड्रिलिंग मशीन चांद पर एक नए युग की शुरुआत कर रही है। इस मशीन ने देखते ही देखते चंद्रमा की सतह में गहरा छेद कर दिया। नासा का यह अत्याधुनिक उपकरण है। इसे लैंडर के जरिए चांद पर भेजा गया है। अभी तक इंसानों ने चंद्रमा की सतह का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा ही एक्सप्लोर किया है। मिशन के तहत नासा इसे और आगे ले जाने की तैयारी कर रहा है। चंद्रमा को बेहतर तरीके से समझना बेहद जरूरी है, क्योंकि यह भविष्य में मंगल और अन्य ग्रहों पर जाने की नींव रखेगा। लिस्टर का मकसद चांद के अंदरूनी तापमान को मापना है। इस मशीन में एक खास तरह की ड्रिल लगी हुई है, जो तीन मीटर तक खुदाई कर सकती है। हर आधे मीटर की गहराई पर यह सिस्टम रुककर एक खास थर्मल प्रोब को चंद्रमा की मिट्टी में डालता है। इससे यह दो तरह की जानकारी जुटाएगा- थर्मल ग्रेडिएंट (गहराई के साथ तापमान में बदलाव) और थर्मल कंडक्टिविटी (मिट्टी में तापमान के संचार की क्षमता)। इस प्रोजेक्ट का मकसद चंद्रमा के तापमान और उसकी सतह की बेहतर समझ बनाना है, ताकि भविष्य में इंसानी बस्तियां बसाने की योजना बनाई जा सके। यह ड्रिलिंग मशीन सिर्फ चांद तक ही सीमित नहीं रहेगी। अगर यह सफल रहा, तो भविष्य में मंगल और अन्य ग्रहों की सतह पर भी इसी तरह की खुदाई की जाएगी।

सीरिया में महिलाओं को नंगा घुमाया गोली मारी, 2 दिन में 1 हजार से अधिक की मौत

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया एक बार फिर हिंसा की आग में जलने लगा है। यहां महिलाओं के सरेआम नंगा घुमाया जा रहा है उन्हे गोलियों से भून दिया जाता है। इस तरह अब तक एक हजार से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया है। सुरक्षा बलों और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों के बीच संघर्ष के दौरान हिसा हुई थी।

गवाहों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि महिलाओं को कथित तौर पर निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया और फिर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस भयावह दृश्य ने हिंसा को और भड़का दिया।बानियास शहर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। वहां सड़कों पर शव पड़े हुए थे। इमारतों की छतों पर भी लाशें देखी गईं। बंदूकधारियों ने नागरिकों को शवों को दफनाने से रोक रखा था। एक निवासी ने एपी को बताया, यह बहुत बुरा था। शव सड़कों पर थे। लोग अपने शहर से भाग रहे थे। बंदूकधारी बिना किसी कारण के गोलियां चला रहे थे। घरों और कारों को भी जलाया जा रहा था।

यह हिंसा तब शुरू हुई जब वर्तमान सरकार के पक्ष में गोलियां चलाने वाले बंदूकधारियों ने पूर्व राष्ट्रपति असद के प्रति वफादार अलावित अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बदले की भावना से हत्या की शुरुआत की। अब हिंसा कुछ हद तक रुक गई है और सरकार ने अधिकांश इलाकों पर नियंत्रण पुनः स्थापित कर लिया है। अधिकारियों ने स्थिरता बहाल करने के लिए तटीय क्षेत्र की ओर जाने वाली सभी सड़कें बंद कर दी हैं, जहां हिंसा का केंद्र था।

सीरियाई मानवाधिकार वेधशाला ने कहा कि संघर्षों में 745 नागरिक मारे गए, जिनमें से अधिकांश को नजदीक से गोलियों से मारा गया था। इसके अलावा, 125 सरकारी सुरक्षा बलों के सदस्य और असद से जुड़े सशस्त्र समूहों के 148 उग्रवादी भी मारे गए हैं।असद शासन के दौरान अलावितों को सेना और अन्य उच्च पदों पर प्रमुख स्थान मिला था। हालांकि, तीन महीने पहले नए शासन की शुरुआत के साथअलावित समुदाय को बार-बार उनके पूर्व राष्ट्रपति से जुड़े होने के कारण निशाना बनाया गया है।ब्रिटेन स्थित सीरियाई मानवाधिकार वेधशाला ने कहा कि हिंसा के साथ-साथ कई अलावित बहुल क्षेत्रों में बिजली और पीने का पानी भी काट दिया गया है। अलावित गांवों के लोगों ने एपी को बताया कि समुदाय के कई घरों को लूटा गया और फिर आग लगा दी गई। लेबनान के राजनेता हैदर नासिर अपने देश की संसद में अलावित समुदाय के लिए निर्धारित दो सीटों में से एक पर बैठते हैं।

दुनिया का सबसे अमीर रेस्टोरेंट कारोबारी ट्रंप का यार... जमीन से शिखर तक पहुंचे

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया भर की हॉस्पिटैलिटी और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए टिलमैन फर्टिटा मशहूर नाम है। इस अरबपति अमेरिकी कारोबारी को दुनिया का सबसे अमीर रेस?टोरेंट कारोबारी बताया जाता है। दुनिया की सबसे मशहूर लक्जरी होटल कैसीनो के 10 प्रतिशत से ज्यादा शेयर खरीदकर वे फिर चर्चा में हैं। अमेरिकी रा?ट्रपति डोनाल?ड ट्रंप के 'जिगरी यार' माने जाने वाले फर्टिटा की नेटवर्थ 90,100 करोड़ है। वे नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) के ह्यूस्टन रॉकेट्स के भी मालिक हैं। फर्टिटा ने 'शट अप एंड लिसन' नामक एक किताब भी लिखी है, जो काफी मशहूर है।

बात दें कि ट्रंप के करीबी यार फर्टिटा के पास अमेरिका के 36 राज्यों और 15 से अधिक देशों में 600 से ज्यादा होटल, रेस्तरां और एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी हैं। उनकी कंपनियों में दुनियाभर में 60,000 से ज्यादा लोग काम करते हैं। एक छोटे से फिश कारोबार से लेकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के टाइकून बनने तक का सफर फर्टिटा के लिए आसान नहीं था, लेकिन उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने उन्हें यहां पहुंचाया। टिलमैन फर्टिटा का जन्म 25 जून, 1957 को टेक्सास के गैल्वेस्टन में हुआ था। वे सिसिली मूल के हैं। फर्टिटा ने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय से पढाई की। उनके पिता का एक छोटा सा फिश रेस्टोरेंट था। इसकारण बचपन में ही उन्होंने अपने पिता के काम से हॉस्पिटैलिटी का हुनर सीखा और उसी को आगे बढ़कर फर्टिटा एंटरटेनमेंट की नींव रखी। आज उनकी कंपनी के पास लैंड्रीज सीफूड हाउस, मास्ट्रोज़, मॉर्टन्स द स्टेकहाउस और बुब्बा गम्प श्रिम्प कंपनी जैसे प्रसिद्ध ब्रांड हैं।

फर्टिटा ग्राहक को भगवान मानते हैं। अपनी किताब शट अप एंड लिसन में उ?होंने लिखा, ÷हॉस्पिटैलिटी का मतलब सीधा है, ग्राहक के साथ आपका व्यवहार कैसा है, आप उनकी कितनी इज्जत करते हैं और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को कितना बदल सकते हैं। यही सोच उनकी सफलता का सबसे बड़ा कारण बनी। फर्टिटा की सफलता के चर्चे व्हाइट हाउस तक हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके अच्छे दोस्त माने जाते हैं।

धर्मगुरु पोप की सैलरी सुन रह जाएंगे हैरान

-पूरी सैलरी जरूरतमंदों को कर देते हैं दान, नहीं है कोई निजी संपत्ति

वेटिकनसिटी (एजेंसी)। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप को मासिक वेतन मिलने की परंपरा है। यह वेतन 32,000 डॉलर हर माह दिया जाता है। सालाना यह राशि 3,84000 डॉलर होती है यानी हर महीने पोप फ्रांसिस को करीब 26,52,480 लाख रुपए सैलरी मिलती है। यह रकम सालाना करीब 31,829,760 करोड़ रुपए बैठती है। हालांकि पोप फ्रांसिस ने साल 2013 में पदभार संभालने के बाद से सैलरी लेने से इनकार कर दिया था। वह अपनी पूरी सैलरी जरूरतमंदों लोगों को दान कर देते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पोप फ्रांसिस की पूरी सैलरी अनाथ बच्चों की शिक्षा, गरीबों की मदद, चर्च की सहायता, चैरिटी और दूसरे कामों में खर्च होती है। पोप फ्रांसिस, पोप के रूप में नामित होने से पहले भी रोमन कैथोलिक चर्च में जब अहम पद पर थे, तब भी वे सैलरी नहीं लेते थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक पोप की कुल संपत्ति 25 मिलियन डॉलर (2,07,23,75,000 अरब रुपए) के आसपास है। यह संपत्ति उनकी निजी नहीं है, बल्कि पोप के रूप में उनके पद के साथ उन्हें मिली है।

पोप के नाम पर पांच लग्जरी कारें, कई प्रॉपर्टी और दूसरी चीजें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पोप को हर साल करोड़ों रुपए का डोनेशन और गिफ्ट भी मिलते हैं, जो चर्च के पास चले जाते हैं। पोप, खुद किसी गिफ्ट या दान को अपने पास नहीं रखते हैं। पोप को सबसे ज्यादा दान रोथ्सचाइल्ड परिवार देता है। हालांकि वे यहूदी हैं। पोप की उपहार के तौर पर आमदनी 2.9 मिलियन डॉलर सालाना है। उनके पास रियल एस्टेट के तौर पर 16 मिलियन डॉलर की संपत्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोप फ्रांसिस के पास इटली में करोड़ों डॉलर की रियल एस्टेट प्रॉपर्टी है। रिपोर्ट में पोप के स्वामित्व वाली 10 संपत्तियों की सूची दी गई है, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 10.3 मिलियन डॉलर है। पोप के स्वामित्व वाली सबसे मूल्यवान संपत्ति रोम शहर के बाहर फ्रैस्काटी शहर में एक विला है। इस विला की कीमत 5.1 मिलियन डॉलर आंकी गई है। वेटिकन सिटी में एक अपार्टमेंट भी है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.03 मिलियन डॉलर है। इनमें से ज्यादातर संपत्तियां उन्हें उपहार में दी गई थीं। वेटिकन ने पुष्टि की थी कि पोप फ्रांसिस शुरू से ईसा मसीह के सच्चे सिद्धांतों का पालन करते हैं। उन्होंने चर्च से कोई पैसा नहीं लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोप के रहने-खाने के खर्च जैसे भोजन, यात्रा और आवास का भुगतान वेटिकन के क्यूरिया फंड से किया जाता है। उनकी सुरक्षा से लेकर अन्य जिम्मेदारियां भी वेटिकन ही उठाता है।

सर्वे में मिले संकेत: अमेरिका से बहस बाद जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग में इजाफा

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में हुई तीखी बहस के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए देश में समर्थन बढ़ा है। सर्वे के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन के साथ बढ़ते तनाव के बीच जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग में इजाफा हुआ है। कीव इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियोलॉजी (केआईआईएस) के सर्वे में पाया गया कि मार्च की शुरुआत में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग बढ़कर 68 प्रतिशत हो गई, जो एक महीने पहले 57 प्रतिशत थी। इस बीच, उनकी डिसअप्रूवल रेटिंग 37 प्रतिशत से गिरकर 27 प्रतिशत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एयरोस्पेस फर्म मैक्सार द्वारा ली गई युद्ध के मैदान की तस्वीरें अब यूक्रेन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। कीव इन तस्वीरों का इस्तेमाल रूसी सेना की गतिविधियों पर नजर रखने और हवाई हमलों के बाद नुकसान का आकलन करने के लिए कर रहा था।

सर्वे के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए, केआईआईएस के कार्यकारी निदेशक एंटोन ह्रुशेत्स्की ने कहा, यूक्रेन के लोग नई अमेरिकी सरकार की बयानबाजी को पूरे यूक्रेन और सभी यूक्रेनवासियों पर हमला मानते हैं। 28 फरवरी को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ जेलेंस्की की बैठक एक तीखी बहस में बदल गई। दो देशों के नेताओं के बीच बहस को पूरी दुनिया ने देखा। इस घटनाक्रम के कारण निर्धारित प्रेस कॉन्फ्रेंस और एक प्रत्याशित द्विपक्षीय कच्चे माल समझौते को रद्द करना पड़ा। ट्रंप प्रशासन लगातार यूक्रेन पर रूस के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने का दबाव डाल रहा है। अमेरिका ने अब सैटेलाइट तस्वीरों तक यूक्रेन की पहुंच को रोक दिया है।मैक्सार ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के अनुरूप, अब यूक्रेन में यूजर्स के लिए इन तस्वीरों तक पहुंच को ब्लॉक किया जा रहा है। अंतरिक्ष से प्राप्त तस्वीरें कीव के टूलबॉक्स में एक महत्वपूर्ण हथियार रही हैं। इनका इस्तेमाल टोही ड्रोन मिशन की योजना बनाने, टैंकों-वाहनों के रूसी भंडार को खोजने और रूसी नियंत्रित क्षेत्रों में हमलों के परिणामों का आकलन करने के लिए किया जाता है। अमेरिका यूक्रेन को पहले ही सैन्य सहायता रोक चुका है और फिर उसने खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया।

चरवाहों और केयर टेकर को पिछले दो महीने से सैलरी नहीं मिलने से गौवंश की नहीं हो पाई देखभाल

-भूख-प्यास से 19 गायों की मौत, सडक़र कंकाल बने

गरियाबंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में कोपरा गौशाला में 2 महीने में भूख-प्यास से 19 गायों की मौत हो गई। कुछ तो कंकाल में तब्दील हो गईं। मृत गायों को पैरी नदी के किनारे फेंक दिया गया। बदबू फैलने के बाद इसका खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि, चरवाहों और केयर टेकर को पिछले दो महीने से सैलरी नहीं मिली है। इस कारण गौवंश की देखभाल नहीं हो पाई।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर राजिम एसडीएम विशाल महाराणा अपनी टीम के साथ जांच के लिए पहुंचे। पता चला कि, गौशाला में मौजूद 150 मवेशी भी भूख से बेहाल थे। चारा-पानी नहीं मिलने के कारण कई पशु तो खड़े होने की स्थिति में भी नहीं थे। प्रशासन ने गौशाला संचालक मनोज साहू को फटकार लगाई। जिम्मेदार पशु चिकित्सक को भी नोटिस जारी होगा।

150 मवेशियों का रेस्क्यू

प्रशासन ने बाकी सभी 150 मवेशियों को रेस्क्यू कर लिया है। जिला प्रशासन अब गौशाला का संचालन दूसरी संस्था को सौंपने की तैयारी कर रहा है। संचालक मनोज साहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। गरियाबंद कलेक्टर ने घटना के बाद सीएमओ, संस्था प्रमुख और स्थानीय पशु चिकित्सा को नोटिस जारी करने के आदेश दिए है। एसडीएम विशाल महाराणा ने इस पूरे मामले को लेकर संस्था प्रमुख को दस्तावेजों के साथ तलब किया है। गायों की मौत की जानकारी विहिप कार्यकर्ता कुणाल साहू और अजय यादव को लगी, तो वे संगठन से बात कर निगरानी में लगे थे। उन्होंने बताया कि, 6 साल पहले कोपरा के इस गौशाला का शुभारंभ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेश्वर पटेल ने किया था। लेकिन लापरवाही के चलते गौवंशों की मौत हो रही है।

एक महीने के भीतर 45 से ज्यादा गौवंश की मौत

बजरंग दल जिला संयोजक मोहित साहू और विहिप के डिगेश्वर वर्मा ने कहा कि, गौशाला में पर्याप्त चारे की व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया है

कि, एक महीने के भीतर 45 से ज्यादा गौवंश की मौत हुई है। लेकिन उनका विधिवत अंतिम संस्कार भी नहीं किया गया। संचालक और जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। गौशाला संचालन के लिए नगर पंचायत को सौंप दिया जाए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अकाउंटेंट विवाहिता ने फांसी लगाई

बेरोजगार पति के अत्याचार से तंग आकर कदम उठाने का पीहर पक्ष का आरोप

फायर विभाग ने दरवाजा तोड़ा तो महिला लटकी हुई मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अकाउंटेंट विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब फायर विभाग ने दरवाजा तोड़ा तो महिला लटकी हुई हालत में मिली। मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि बेरोजगार पति उसे लगातार प्रताड़ित करता था, जिससे तंग आकर उसने यह कदम उठाया।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतका शादीशुदा थी और अकाउंटेंट के रूप में काम कर रही थी। उसका पति बेरोजगार था, और मायके पक्ष का आरोप है कि वह अक्सर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। घटना के बाद जब महिला के घर का दरवाजा नहीं खुला, तो पड़ोसियों ने इसकी सूचना फायर विभाग को दी। जब फायर टीम ने दरवाजा तोड़ा, तो महिला फांसी पर लटकी हुई हालत में मिली।

महिला के परिवारवालों ने आरोप लगाया कि उसका पति बेरोजगार था और आए दिन उसे प्रताड़ित करता था। इसी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

सूरत के पाल इलाके में रहने वाली 30 वर्षीय अकाउंटेंट विवाहिता शिल्पा वरेलिया ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मायके पक्ष के लोगों और मृतका के भाई ने ससुराल वालों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पाल इलाके के सोहम एलीगेंस रेसिडेंस की डी-बिल्डिंग के 8वें माले पर स्थित फ्लैट नंबर 805 में 30 वर्षीय शिल्पाबेन दक्षेशभाई वरेलिया अपने परिवार के साथ रहती थीं। बीती रात अचानक उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। कल रात उन्होंने पंखे से दुपट्टा बांधकर आत्महत्या कर ली थी। मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले शिल्पाबेन को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, जिससे परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शिल्पाबेन ने अपने कमरे का दरवाजा बंद करके आत्महत्या कर ली थी। जब परिवारवालों को इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं खुला। इसके बाद फायर विभाग को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड के जवानों ने दरवाजा तोड़ा, तो अंदर शिल्पाबेन फांसी के फंदे से लटकी हुई मिलीं।

जैसे ही मायके पक्ष को आत्महत्या की खबर मिली, वे तुरंत अंकलेश्वर से सूरत पहुंचे। बेटी की मौत से परिवार गहरे सदमे में है। विवाहिता की मौत के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिवार के बयान लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि मृतका शिल्पाबेन दक्षेशभाई वरेलिया की यह दूसरी शादी थी, और उनके वैवाहिक जीवन को पांच साल हो चुके थे। उनके पति दक्षेशभाई की भी यह दूसरी शादी थी। मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि पति-पत्नी के बीच झगड़े और पारिवारिक कलह के कारण ही शिल्पाबेन ने आत्महत्या की।

फिलहाल, पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया।

कक्षा 10 की छात्रा की बोर्ड परीक्षा के दौरान रहस्यमय मौत

अचानक तबीयत बिगड़ी,बेहोश होने के बाद मौत परिवार दवा लेकर आया लेकिन नहीं लगाई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बोर्ड परीक्षा के बीच कक्षा 10 की छात्रा की रहस्यमय मौत हो गई। 15 वर्षीय छात्रा को अचानक झटके आने लगे, जिससे उसे तेज बुखार हो गया और उसकी हालत गंभीर हो गई। परिवार दवा लेकर आया था, लेकिन उसे लगाया नहीं गया। इस बीच, अचानक उसकी तबीयत और बिगड़ गई और बेहोश होने के बाद उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत से परिवार में शोक का माहौल छा गया।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर की रहने वाली 15 वर्षीय साक्षी मिथिलेश दूबे अपने परिवार के साथ सूरत के डिंडोली इलाके की शिवकृपा सोसाइटी में रहती थी। परिवार में माता-पिता और दो भाई हैं। साक्षी परिवार की इकलौती बेटी थी। उसके पिता रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। साक्षी पास के एक स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा थी और उसने परीक्षा की अच्छी तैयारी की थी। उसने सभी पेपर दिए थे, लेकिन इसी दौरान उसे झटके आने लगे। तबीयत बिगड़ने लगी और तेज बुखार के कारण परिवार ने दवा भी लाई थी।

हालांकि, दो दिन पहले उसकी हालत और बिगड़ गई, जिससे वह विज्ञान का पेपर नहीं दे पाई। कल रात साक्षी की तबीयत अचानक और बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। उसे तेज बुखार था, जिस कारण परिवार ने दवा भी ली थी, लेकिन उसे लगाया नहीं गया। बेहोश होने के बाद उसे तुरंत स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। फिलहाल, डिंडोली पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

चलते युवक को गंभीर जलने की चोटें आई

सूरत के डिंडोली में वेस्टेज केमिकल बैग में आग के साथ ब्लास्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में एक खतरनाक हादसा हुआ, जिसमें वेस्टेज केमिकल से भरे बैग में अचानक आग के साथ ब्लास्ट हो गया। इस घटना में सड़क पर चल रहा एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया।

कैसे हुआ हादसा?

डिंडोली इलाके में कचरे के रूप में फेंके गए वेस्टेज केमिकल से भरे बैग में अचानक विस्फोट हो गया। उसी वक्त वहां से गुजर रहा युवक आग की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया।

इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे ने औद्योगिक कचरे के गलत तरीके से निपटान और उसकी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल,पुलिस और संबंधित विभाग इस विस्फोट की जांच कर रहे हैं।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

दो महीने पहले इसी डिंडोली इलाके में कचरे में फेंकी गई केमिकल बैग में आग लगने से दो युवकों की जलकर मौत हो गई थी। अब दोबारा हुई इस घटना से लोगों में आक्रोश बढ़ गया है और रासायनिक कचरा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

कैसे हुआ हादसा?

फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, डिंडोली खर्वासा रोड के बोलंद गांव में रहने वाला 36 वर्षीय किरण भगु राठौड़ अपने परिवार के साथ रहता है। किरण रोज रात के खाने के बाद टहलने जाता था। बीती रात जब वह टहलने निकला, तब गांव के पास झाड़ियों में गैस लाइन के पास वेस्टेज केमिकल की एक बैग फेंकी गई थी, जिसमें अचानक आग लग गई और ब्लास्ट हो गया।

युवक गंभीर रूप से झुलसा

ब्लास्ट के समय किरण वहीं से गुजर रहा था और गंभीर रूप से झुलस गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस हादसे के बाद एक बार फिर सवाल उठ रहा है कि आखिर वेस्टेज केमिकल बैग यहां कौन फेंक रहा है और प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई करेगा।

आग बुझाने के लिए पानी की बौछार चलाई गई

अचानक सड़क किनारे झाड़ियों से ब्लास्ट हुआ, जिससे किरण के दोनों हाथ, दोनों पैर और पीठ गंभीर रूप से झुलस गए। इसके बाद किरण को तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड को भी सूचित किया गया। डिंडोली फायर स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पहले यह आशंका थी कि गैस पाइपलाइन में लीक होने के कारण आग लगी थी, इसलिए पानी की बौछार शुरू की गई।

एक घंटे तक पानी की बौछार के बाद आग पर काबू पाया गया

फायर ब्रिगेड के मुताबिक, रात में कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि गैस पाइपलाइन लीक होने से आग लग गई है। तुरंत डिंडोली फायर स्टेशन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, पानी डालने से बार-बार धमाके हो रहे थे। जांच के बाद पता चला कि गैस पाइपलाइन में कोई लीकेज नहीं था, बल्कि झाड़ियों में फेंकी गई केमिकल बैग के कारण आग लगी थी और विस्फोट हो रहे थे।

फायर ब्रिगेड की टीम ने जान जोखिम में डालकर लगातार एक घंटे तक पानी की बौछार चलाई और आग पर काबू पाया।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

11 जनवरी को डिंडोली मधुरम सर्कल के पास नायरा पेट्रोल पंप के नजदीक खुले मैदान में फेंकी गई केमिकल से भरी 15 बैगों में धमाके के साथ आग लग गई थी। उस दौरान वहां से गुजर रहे दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। झुलसे हुए दोनों व्यक्तियों को तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस घटना के कुछ दिनों बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।वहीं, 14 दिन तक अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद 31 वर्षीय युवक ने भी दम तोड़ दिया। पहले 30 वर्षीय सुरेश की मौत हुई थी,जबकि 16 दिनों तक इलाज के बाद 31 वर्षीय इरफान रफीक मोहम्मद अंसारी ने भी दम तोड़ दिया था।

चित्रकार मनोज भींगरे को प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप 1,00,000/- का चेक अर्पित किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय, पंडित दीनदयाल भवन, उधना में नव-निर्वाचित अध्यक्ष परेश पटेल द्वारा शहर अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने का शुभारंभ किया गया। सुबह 10:30 बजे कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर शुभचिंतकों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके बाद ऑडिटोरियम स्थित नीलगिरी ग्राउंड में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गत 7 मार्च को भारत के विश्व नेता एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के आगमन के दौरान दिव्यांग चित्रकार मनोज, जिनके दोनों हाथ नहीं हैं, द्वारा अयोध्या में निर्मित राम मंदिर की सुंदर चित्रकला को देखकर प्रधानमंत्री ने अपने काफिले को रोककर वह चित्र मंगवाया और उस पर हस्ताक्षर किए। तत्पश्चात, बैकस्टेज में उन्होंने उनसे मुलाकात कर उनकी चित्रकला को सराहा और उन्हें इस उत्कृष्ट कला के लिए हार्दिक बधाई दी।

रविवार सुबह 12:30 बजे कार्यालय के ऑडिटोरियम में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में चित्रकार मनोज को आमंत्रित किया गया। अध्यक्ष परेश पटेल, लिम्बायत विधानसभा की विधायक संगीताबेन पाटिल, महासचिव किशोरभाई बिंदल, कालू भीमनाथ, पूर्व अध्यक्ष निरंजन झांझमेरा द्वारा उन्हें उनकी कला को और आगे बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी, सूरत महानगर द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप 1,00,000 का चेक अर्पित किया गया।

श्याम के जयकारों से गुंजा श्याम मंदिर सुबह से देर रात तक लगा भक्तों का ताँता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में रविवार को सुबह पाँच बजे से ही भक्तों का आना शुरू हुआ जो देर रात तक लगातार चलता रहा। फाल्गुन माह में मेले के दौरान रविवार को हज़ारों भक्तों ने बाबा को कपडे एवं चाँदी के निशान अर्पण किए। सूरत शहर के अलग-अलग विस्तारों, सोसायटियों, धार्मिक संस्थाओं द्वारा अनेकों निशान यात्रा मंदिर पर पहुँची। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। फाल्गुन मेले के उपलक्ष में श्याम मंदिर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। संपूर्ण मंदिर परिसर के अलावा बाबा श्याम का अधभूत शृंगार किया गया है। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फाल्गुन मेले में सोमवार को एकादशी के मौके पर लाखों भक्त बाबा का दीदार करेंगे। इस अवसर पर श्याम सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला, बसंत अग्रवाल, सहसचिव ओम सिहोटिया, दिनेश अग्रवाल, सहकोषाध्यक्ष रामअवतार सिहोटिया सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

एकल श्रीश्याम निशान यात्रा का हुआ आयोजन एकल श्री रथ का उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि युवा एवं महिला समिति द्वारा विशाल एकल श्रीहरि निशान यात्रा का आयोजन शनिवार को किया गया। समिति के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल विनायक ने बताया की इस अवसर पर वेसु स्तिथ पोद्दार रेज़िडेंसी में बाबा का दरबार सजाया गया। निशान पूजन के बाद यात्रा रवाना हुई। यात्रा में 1100 निशान के साथ दो हज़ार से ज़्यादा भक्त, लाइव भजन एवं बैंड बाजा के साथ श्याम मंदिर पहुंचे एवं बाबा को निशान अर्पण किए। मार्ग में यात्रा का स्वागत जगह-जगह पुष्पवर्षा, अल्पाहार से किया गया।

>> एकल श्री रथ का उद्घाटन - एकल श्रीहरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की आयोजन में जालान परिवार द्वारा प्रदत एकल श्रीहरि रथ का उद्घाटन किया गया। ज्ञात रहे कि रथ वनवासी गांवों में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते है।